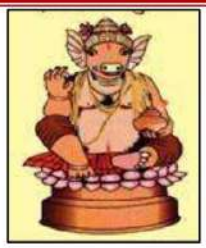

RKSD College

In association with

Bhartiya Itihas Sankalan Samiti, Haryana

A Glimpse: Invitation Cards, Photos & Media Coverage of Activities

ओ३म्

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा (पंजी०)

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना से सम्बद्ध

क्रमांक.................... दिनांक 28.08.22

सेवा में,

प्रिंसिपल,
आर. के. एस. डी. (पी. जी.) कॉलेज,
कैथल। (हरियाणा)

मान्यवर,

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा तथा इस की कैथल ईकाई आप का तथा प्रबन्ध समिति के सभी सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करती है। आप सब से मिले सहयोग और प्रोत्साहन से कॉलेज प्रांगण में मिली सुविधाओं के कारण समिति अपने दायित्वों को निभाने में सफल हुई है।

पिछले २५ वर्षों से समिति मासिक गोष्ठियों के अतिरिक्त सेमीनार तथा प्रान्तीय अधिवेशन आयोजित करती आ रही है जिन में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर राम सिंह जी, प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल तथा संगठन सचिव डॉ. बाल मुकुन्द पांडे के अतिरिक्त, प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. ज्ञानेश्वर खुराना तथा डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा जैसे विद्वानों ने यहां पधार अपने विचार रखे।

समिति के सभी आयोजन आप सब से मिले प्रोत्साहन और सहयोग से ही सफल हो पाए क्योंकि आप सब का यह मानना है कि यह संस्था समाज की है और बेहतर समाज के निर्माण के लिए संकल्पबद्ध और समर्पित है।

आप का तथा प्रबन्धक समिति का पुनः हार्दिक आभार

कमलेश शर्मा
अध्यक्ष
कैथल ईकाई

डॉ. अशोक अत्रि
उपाध्यक्ष

राम चन्द्र मेहता
महासचिव

ॐ

"नामूलं लिख्यते किञ्चित्"

इतिहासः कुशाभासः सूकरास्यो महोदरः।

अक्षसूत्रं घटं बिभ्रत्पंकजाभरणान्वितः।।

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

जिला कैथल इकाई

इतिहास दिवस समारोह

दिनांक : 28 मार्च 2015, शनिवार, **समय :** दोपहर 2.30 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी. कालेज कैथल (सेमिनार कक्ष)

मुख्य अतिथि : माननीय इन्द्रेश जी

कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अध्यक्ष : माननीय साकेत मंगल जी, एडवोकेट एवं समाज सेवी

विशिष्ट अतिथि : माननीय सुनील चौधरी जी, उद्योगपति एवं समाज सेवी

माननीय सुरेश नौच जी, उद्योगपति एवं समाज सेवी

माननीय शेरसिंह जी, राष्ट्रीय सचिव,

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना दिल्ली

उद्बोधन : प्रो. बी.बी. भारद्वाज, प्रान्तीय अध्यक्ष, भा.इ.सं.स. हरियाणा

मार्गदर्शन : डॉ. हरीश झण्डई, प्रान्तीय मार्गदर्शक, भा.इ.सं.स. हरियाणा

माननीय कुलदीप चन्द जी, प्रान्तीय संगठन सचिव

इस अवसर पर आप सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक -

जिला कार्यकारिणी :-

डॉ. ओ.पी.बंसल, संरक्षक

श्री अनिल छाबड़ा, मार्गदर्शक

श्री अमृत सचदेवा, मार्गदर्शक

श्री कमलेश शर्मा, अध्यक्ष

डॉ. रोहतास जमदग्नि, विद्वत परिषद प्रमुख

डॉ. अशोक अत्रि, उपाध्यक्ष

श्री भान सिंह, उपाध्यक्ष

डॉ. आशा रानी, उपाध्यक्ष

श्री ज्ञान चन्द भल्ला, महासचिव

श्री रिछपाल सिंह विर्क, सचिव

श्री सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव

श्री हरीश मदान, वित्त सचिव

श्री सतीश शर्मा, लेखा निरीक्षक

डॉ. तेजिन्द्र, प्रैस सचिव

सम्पर्क सूत्र : कमलेश शर्मा, अध्यक्ष 94162-53051, सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव 93543-80614

दिशाबोध कम्प्यूटराईज्ड प्रिंटिंग प्रैस, 4 न्यू सिक्का मार्किट कैथल 98122-76314

ॐ

"नामूलं लिख्यते किञ्चित्"

इतिहासः कुशाभासः सूकरास्यो महोदरः।

अक्षसूत्रं घटं बिभ्रत्पंकजाभरणान्वितः।।

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

जिला कैथल इकाई

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम दिवस समारोह

दिनांक : 10 मई 2015, रविवार, **समय :** प्रातः 10.30 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी. कालेज कैथल (सेमिनार कक्ष)

मुख्य अतिथि : माननीय श्री भारत भूषण भारती जी

चेयरमैन, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

अध्यक्ष : माननीय श्री धर्मपाल शर्मा जी, उद्योगपति एवं समाज सेवी

विशिष्ट अतिथि : माननीय श्री राधेश्याम मलिकपुरिया जी

उद्योगपति एवं समाज सेवी

उद्बोधन : प्रो. बी.बी. भारद्वाज, प्रान्तीय अध्यक्ष, भा.ई.सं.स. हरियाणा

मार्गदर्शन : डॉ. हरीश झण्डई, प्रान्तीय मार्गदर्शक, भा.ई.सं.स. हरियाणा

इस अवसर पर आप सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक -

जिला कार्यकारिणी :-

डॉ. ओ.पी.बंसल, संरक्षक

श्री अनिल छाबड़ा, मार्गदर्शक

श्री अमृत सचदेवा, मार्गदर्शक

डॉ. रोहतास जमदग्नि, विद्वत परिषद प्रमुख

प्रो. संयोगिता शर्मा, महिला प्रमुख

श्री कमलेश शर्मा, अध्यक्ष

डॉ. अशोक अत्रि, उपाध्यक्ष

श्री भान सिंह, उपाध्यक्ष

डॉ. आशा रानी, उपाध्यक्ष

श्री ज्ञान चन्द भल्ला, महासचिव

श्री रिछपाल सिंह विर्क, सचिव

श्री सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव

श्री हरीश मदान, वित्त सचिव

श्री सतीश शर्मा, लेखा निरीक्षक

डॉ. तेजिन्द्र, प्रैस सचिव

सम्पर्क सूत्र : कमलेश शर्मा, अध्यक्ष 94162-53051, सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव 93543-80614

दिशाबोध कम्प्यूटराईज्ड प्रिंटिंग प्रैस, 4 न्यू सिक्का मार्किट कैथल 98122-76314

ॐ

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

जिला कैथल इकाई

"नामूलं लिख्यते किञ्चित्"

स्वतन्त्रता सेनानी सम्मान समारोह

दिनांक : 23 मार्च 2017, वीरवार, **समय :** दोपहर 2.30 बजे

स्थान : आई.जी. [redacted] विद्यालय, ढाण्ड रोड, कैथल

मुख्य अतिथि : माननीय राव सुरेन्द्र सिंह

अध्यक्ष : माननीय श्री जगदीश बहादुर खुरानियां

प्रधान आई.जी. कॉलेज राष्ट्रीय विद्या समिति कैथल

विशिष्ट अतिथि : माननीय श्री यशपाल प्रजापति, चेयरमैन नगर परिषद कैथल

माननीय श्रीमती शैली मुंजाल, जिला उपाध्यक्ष भाजपा कैथल

माननीय श्री यशपाल चौधरी, एक्स ई एन (सेवानिवृत)

उद्बोधन : प्रो. बी.बी. भारद्वाज, प्रान्तीय अध्यक्ष, भा.ई.सं.स. हरियाणा

मार्गदर्शन : डॉ. हरीश झण्डई, प्रान्तीय मार्गदर्शक, भा.ई.सं.स. हरियाणा

इस अवसर पर आप सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक -

जिला कार्यकारिणी :-

डॉ. ओ.पी.बंसल, संरक्षक

श्री अनिल छाबड़ा, मार्गदर्शक

श्री अमृत सचदेवा, मार्गदर्शक

श्री कमलेश शर्मा, अध्यक्ष

प्रो. संयोगिता शर्मा, महिला प्रमुख

डॉ. अशोक अत्रि, उपाध्यक्ष

डॉ. आशा रानी, उपाध्यक्ष

स० हरपाल सिंह चीका उपाध्यक्ष

श्री ज्ञान चन्द भल्ला, महासचिव

श्री रिछपाल सिंह विर्क, सचिव

श्री सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव

श्री हरीश मदान, वित्त सचिव

श्री सतीश शर्मा, लेखा निरीक्षक

डॉ. तेजिन्द्र, प्रैस सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : श्रीमती सुमन राणा, प्रो. रेणु कांसल, प्रो. दीपशिखा, प्रो. सपना राय

सम्पर्क सूत्र : कमलेश शर्मा, अध्यक्ष 94162-53051, सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव 93543-80614

दिशाबोध कम्प्यूटराईज्ड प्रिंटिंग प्रैस, 4 न्यू सिक्का मार्किट कैथल 98122-76314

ॐ

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

जिला कैथल इकाई

"नामूलं लिख्यते किञ्चित्"

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम दिवस समारोह

दिनांक : 10 मई 2017, बुधवार, **समय :** प्रातः 10.30 बजे

स्थान : हिन्दु गर्ल्ज सी० सै० स्कूल, अम्बाला रोड, कैथल

मुख्य अतिथि : माननीय राव सुरेन्द्र सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता

अध्यक्ष : माननीय डॉ० शशीपाल सेठ समाजसेवी

विशिष्ट अतिथि : माननीय श्री यशपाल प्रजापति चेयरमैन, नगर परिषद कैथल

माननीय प्रो० एल.एन. बिन्दलिश

सेवानिवृत्त प्राचार्य, आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल

माननीय सुनील चौधरी समाजसेवी एवं उद्योगपति

उद्बोधन : प्रो. बी.बी. भारद्वाज प्रान्तीय अध्यक्ष, भा.ई.सं.स. हरियाणा

मार्गदर्शन : डॉ. हरीश झण्डई प्रान्तीय मार्गदर्शक, भा.ई.सं.स. हरियाणा

इस अवसर पर आप सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक -

जिला कार्यकारिणी :-

डॉ. ओ.पी.बंसल, संरक्षक

श्री अनिल छाबड़ा, मार्गदर्शक

श्री अमृत सचदेवा, मार्गदर्शक

श्री कमलेश शर्मा, अध्यक्ष

डॉ. आशा रानी, उपाध्यक्ष

डॉ. अशोक अत्रि, उपाध्यक्ष

प्रो. संयोगिता शर्मा, महिला प्रमुख

स० हरपाल सिंह, चीका उपाध्यक्ष

श्री ज्ञान चन्द भल्ला, महासचिव

श्री सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव

श्री हरीश मदान, वित्त सचिव

श्री सतीश शर्मा, लेखा निरीक्षक

डॉ. तेजिन्द्र, प्रैस सचिव

कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमती सुमन राणा, प्रो. रेणु कांसल, प्रो. दीपशिखा, प्रो. सपना राय, जसमेर सिंह, राजेश

सम्पर्क सूत्र :

कमलेश शर्मा, अध्यक्ष 94162-53051, सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव 93543-80614

दिशाबोध प्रिंटिंग प्रैस, 4 न्यू सिक्का मार्किट कैथल 98122-76314

इतिहासः कुशाभासः सूकरास्यो महोदरः।
अक्षसूत्रं घटं बिभ्रत्संकजाभरणान्वितः।।

उद्घाटन :
5 अक्तूबर, 2014, रविवार
10 बजे प्रातः

स्थान :
योग सदन
गीता निकेतन आवासीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
कुरुक्षेत्र

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

प्रान्त प्रतिनिधि सम्मेलन (वार्षिक साधारण सभा)

एवं

'भारत का इतिहास – संघर्ष का, पराक्रम का'

छठे प्रकाशन के विमोचन के अवसर पर आप सादर आमंत्रित हैं।

अध्यक्ष – माननीय अनिल कुमार कुलश्रेष्ठ जी
प्राचार्य, श्रीमद्भगवद् गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुरुक्षेत्र

मुख्यवक्ता – माननीय बाल मुकन्द पाण्डेय जी, राष्ट्रीय संगठन सचिव
अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली

विशिष्ठ अतिथि – डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा जी, पूर्व अध्यक्ष दर्शन शास्त्र विभाग, कु.वि.कु.
डॉ. एच. सी. बंसल, प्रसिद्ध समाज सेवी, कुरुक्षेत्र

मार्गदर्शन – प्रो. ज्ञानेश्वर खुराना जी, पूर्व अध्यक्ष इतिहास विभाग, कु.वि.कु.

उद्बोधन – माननीय शेर सिंह जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय संकलन योजना, नई दिल्ली

निवेदक –

डॉ. हरीश चन्द्र झण्डई, अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) विनय सिंघल, उपाध्यक्षा
श्री कपूर चन्द अग्रवाल, उपाध्यक्ष
प्रो. दलीप सिंह हुड्डा, उपाध्यक्ष
श्री कमलेश शर्मा, उपाध्यक्ष
प्रो. सुभाष चन्द्र शर्मा, महासचिव

श्री राम शरण युयुत्सु, लेखक प्रमुख
श्री राम सिंह यादव, विद्वत परिषद् प्रमुख
डॉ. (श्रीमती) अंजली जैन, प्रान्त महिला प्रमुख
श्री श्याम लाल गर्ग, कोषाध्यक्ष
श्री कुलदीप चन्द, कार्यक्रम संयोजक
कुरुक्षेत्र, 9416173002

ॐ

"यतूनं लिखामि किंचित्"

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

जिला कैथल इकाई

डॉ० दामोदर वासिष्ठ की पावन स्मृति को समर्पित गोष्ठी

विषय : वैदिक कपिस्थल से वर्तमान कैथल तक

मुख्य अतिथि : **माननीय डॉ. श्रेयांश द्विवेदी** कुलपति
महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय मूंदड़ी, कैथल

अध्यक्ष : **माननीय श्री साकेत मंगल** एडवोकेट
प्रधान, रा. वि. समिति एवं प्रबन्धक समिति आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल

विशिष्ट अतिथि : **माननीय श्री हरेश वासिष्ठ**
समाचार संपादक, दैनिक ट्रिब्यून, चण्डीगढ़

माननीय सुनील चौधरी
कोषाध्यक्ष, रा. वि. समिति आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल

माननीय डॉ. शशीपाल सेठ
सदस्य, सरस्वती विकास बोर्ड हरियाणा

मुख्य वक्ता : **प्रो. बी.बी. भारद्वाज** प्रान्तीय मार्गदर्शक, भा.इ.सं.समिति हरियाणा

गरिमामयी उपस्थिति : **डॉ. हरीश झण्डई** प्रान्तीय मार्गदर्शक, भा.इ.सं.समिति हरियाणा

दिनांक : 20 अप्रैल 2019, शनिवार, **समय :** प्रातः 10.30 बजे

स्थान : सेमीनार कक्ष, आर.के.एस.डी. कॉलेज (सांध्य सत्र) कैथल

इस अवसर पर आप सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक – जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य

सम्पर्क सूत्र :
कमलेश शर्मा, अध्यक्ष 94162-53051, डा0 अशोक अत्रि, उपाध्यक्ष 70155-89827,
सोहन लाल गुप्ता, संगठन सचिव 93543-80614

दिशाबोध प्रिंटिंग प्रैस, 4 न्यू सिक्का मार्किट कैथल 70157-1449

ॐ

"यतूनं लिखामि किंचित्"

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा

वीरव्रती यशस्वी इतिहास पुरुष
माननीय ठाकुर राम सिंह की पावन स्मृति में

प्रान्तीय सम्मेलन

दिनांक : 19 जून 2016, रविवार, प्रातः 10 बजे

स्थान : आर.के.एस.डी. कालेज कैथल सेमिनार कक्ष (सांयकालीन सत्र)

मुख्य अतिथि : **माननीय डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा जी**
कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

अध्यक्ष : **माननीय डॉ. सतीश चन्द्र मित्तल जी,**
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजन, नई दिल्ली

मार्गदर्शक : **माननीय श्री शेरसिंह जी**
राष्ट्रीय सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजन, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि : **माननीय श्री सुनील चौधरी जी** समाजसेवी एवं उद्योगपति
माननीय डॉ. एच.सी. बंसल जी समाजसेवी एवं उद्योगपति
माननीय श्री राधेश्याम मलिकपुरिया जी समाजसेवी एवं उद्योगपति
माननीय श्री रणजीत सैनी जी समाजसेवी, कृषि एवं वानिकी विशेषज्ञ

उद्बोधन : **माननीय डॉ० महासिंह पूनिया जी**
निदेशक, धरोहर संग्रहालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

इस अवसर पर आप सादर आमन्त्रित हैं।

विनीत :–

प्रो. बी.बी. भारद्वाज	डॉ. सुभाष शर्मा	कुलदीप चन्द
प्रान्तीय अध्यक्ष	प्रान्तीय महासचिव	प्रान्तीय संगठन सचिव
92544-33343	94163-47438	94161-73002

सम्पर्क सूत्र कैथल :
डॉ. हरीश झण्डई 98963-34327, कमलेश शर्मा 94162-53051, सोहन लाल गुप्ता 93543-80614

दिशाबोध कम्प्यूटराईज्ड प्रिंटिंग प्रैस, 4 न्यू सिक्का मार्किट कैथल 98122-75314

जिला कैथल ईकाई
अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में
डॉ. रमेश घारीवाल
2022, रविवार / प्रातः
एस.डी. कॉलेज

जिला कैथल ईकाई
आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गोष्ठी
विषय : भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में कैथल का योगदान
प्रो. बी.बी. भारद्वाज
रविवार / प्रातः

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा
जिला कैथल

भारतीय इति कलन समिति हरियाणा
जिला कैथल

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा
माननीय ठाकुर राम सिंह जी की
पावन स्मृति में आयोजित
प्रान्तीय सम्मेलन

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा
वीर व्रती यशस्वी इति

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा
जिला कैथल इकाई
प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम दिवस समारोह

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा
जिला कैथल
भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा
जिला कैथल इकाई
प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम दिवस समारोह

जागरण सिटी
कैथल
पानीपत, 11 मई 2017 दैनिक जागरण

आजादी के इतिहास को जाने बिना नहीं हो सकता राष्ट्र भक्ति का संचार

हिन्दू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन

जागरण संवाददाता, कैथल : हिन्दू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सभागार में कैथल में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का आयोजन भारतीय इतिहास संकलन समिति की जिला इकाई द्वारा किया गया। इसमें भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी डॉ. शशीपाल सेठ ने की। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके हुई।

कार्यक्रम में युवाओं को इतिहास से जोड़ने की कवायद पर जोर दिया गया। मुख्यातथि राव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक युवा देश और आजादी के गौरवमयी इतिहास के बारे में नहीं जानेंगे, उनमें राष्ट्र भक्ति का संचार नहीं हो सकता।

विदेशी हमलावरों को दी चुनौती

समिति सचिव सोहन लाल गुप्ता ने जगाया तुम को कितनी बार कविता पढ़कर उपस्थितजनों में देश भक्ति की भावना का संचार कर दिया। प्रांतीय मार्गदर्शक डॉ.हरीश झंडई ने दस मई 1857 के दिन

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह में उपस्थित मुख्यातिथि राव सुरेंद्र सिंह व अन्य • जागरण

को ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर भारतीयों ने विदेशी हमलावरों को चुनौती दी। डॉ. आशा ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक आकस्मिक घटना नहीं थी। उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा के लोगों की भूमिका को रेखांकित किया। कुमारी साक्षी ने अर्जुन सिंह नामक अपने मां-बाप के 20 वर्षीय इकलौते पुत्र की नेता की सेना में भर्ती होने के जज्बे का वर्णन किया। प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज ने कहा कि विश्व के जिन पराधीन देशों ने स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए संघर्ष किया उनमें भारतीय लोगों द्वारा स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए किया गया संघर्ष सबसे महान था।

शहीदों का किया गया उपेक्षित

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए संघर्ष करने वाले वीरों-शहीदों को उपेक्षा की दृष्टि से देखा गया। स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों में और बाद में विदेशों में स्वतंत्रता के लिए भारतीयों द्वारा किए गए संघर्ष की खूब प्रशंसा हुई। भारद्वाज ने क्रांति के पश्चात अंग्रेज सरकार द्वारा हरियाणा सहित देश के विभिन्न भागों में किए गए अत्याचार के आंकड़े व तथ्य प्रस्तुत किया। राव सुरेंद्र सिंह ने प्रो. बीबी भारद्वाज से आह्वान किया कि वे अपने इतिहास के विस्तृत ज्ञान को पुस्तक रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विदेशियों ने भारतीय इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया है।

इस अवसर पर नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, प्रोफेसर एलएम बिंदलिश, उद्योगपति एवं समाजसेवी भूपेंद्र चौधरी, पीयूष चौधरी, प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा, प्रोफेसर सपना राय, डॉ. अशोक अत्री, डॉ. पीसी मित्तल, मेजर एससी कौशिक, प्राचार्य अनिल छाबड़ा, प्राचार्य अमृत सचदेवा, प्राचार्या मोनिका कौशिक, प्रो. संयोगिता शर्मा, डॉ. तेजिंद्र, डॉ. दीप शिखा मौजूद थे।

अंबाला, वीरवार, 11 मई 2017| दैनिक सवेरा टाइम्स

स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह करवाया

कैथल (मोहित): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल द्वारा हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अंबाला रोड कैथल में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी डा. शशीपाल सेठ ने की। समारोह में नगर परिषद् के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, आर.के.एस.डी.कालेज से सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. एल.एम.बिंदलिश, उद्योगपति एवं समाजसेवी भूपेंद्र चौधरी व पीयूष चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह का संचालन समिति के प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया। समारोह का शुभारंभ अतिथिगणों के स्वागत, अभिनंदन व मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके हुआ। समारोह में डा. पी.सी. मित्तल, मेजर एस.सी.कौशिक, जिला परिषद् उपाध्यक्ष मनीष कठवाड़, आचार्य भारतेंदु, प्राचार्य अनिल छाबड़ा, प्राचार्य अमृत सचदेवा, प्राचार्या मोनिका कौशिक, प्रो. संयोगिता शर्मा, डा. तेजिंद्र व डा. दीप शिखा सहित क्षेत्र के इतिहास प्रेमी उपस्थित थे।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, बृहस्पतिवार, 26 फरवरी, 2015

'छोटे से कैथल का इतिहास बड़ा'

कैथल (हप्र) : जाखौली अड्डा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में सीसीआरटी की कार्यशाला के दूसरे दिन युवा कलाप्रेमी नलिनि चोपड़ा ने बतौर मुख्य अतिथि और शशि गुलाटी प्राचार्या कन्या स्कूल ने बतौर अध्यक्ष शिरकत की। इस मौके पर प्रसिद्ध साहित्यकार कमलेश शर्मा ने शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने के प्रयासों की कड़ी में कैथल के पुरातात्विक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की जानकारी दी। रजिया बेगम का मकबरा, तैयब हुसैन द्वारा बनाई गई शीशे की मस्जिद, गुरु तेग बहादुर जी का आगमन, ह्यूनसांग, फाहियान आदि का यहां से गुजरना जैसी विरासतें समेटने वाले शहर कैथल के इतिहास को उन्होंने संक्षेप में अध्यापकों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि इस छोटे से कैथल का इतिहास बहुत बड़ा है। इसी कड़ी में संगीत विशेषज्ञ विश्वजीत ने राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत की व्याख्या करते हुए सुर और ताल के साथ समय सीमा के भीतर गाने की कला को अध्यापकों के साथ सांझा किया।

अमर उजाला my city मंगलवार • 09.08.2022
amarujala.com

संघर्ष | स्वतंत्रता के आंदोलन में महाशय काका राम की रही अहम भूमिका, 1920 से लेकर 1942 तक चलाए गए आंदोलनों में लिया था हिस्सा

महाशय काका राम ने पहली बार फहराया था तिरंगा

आजादी का अमृत महोत्सव

संवाद न्यूज एजेंसी

कैथल। देश की आजादी के लिए संघर्ष कर रहे लोगों में कैथल के लोगों का भी नाम दर्ज है। 1857 से शुरू हुई क्रांति के करीब 45 साल बाद कैथल आजादी के आंदोलन में सक्रिय हुआ था। उस समय महाशय काका राम इस लड़ाई में कूदे थे।

महाशय काका राम ऐसे क्रांतिकारी थे, जो महात्मा गांधी से जुड़े हुए थे। यह जानकारी इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज ने दी। उन्होंने बताया कि महाशय काका राम वर्ष 1903 में कांग्रेस पार्टी के जिला महामंत्री बने थे। 15 अगस्त 1947 के दिन महाशय काका राम ने ही कैथल में

जिले में आजादी से पहले 1903 में हुई थी कांग्रेस की स्थापना

इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज ने स्मृतियों को किया ताजा

पहली बार कमेटी चौक स्थित छज्जु कुंड में तिरंगा फहराया था। इस दौरान शहर के लोग इस पल को देखने के लिए काफी संख्या में एकत्रित हो गए थे।

उन्होंने आजादी के इस आंदोलन में जिले के काफी लोगों को जोड़ा था। इसके बाद कैथल में अंग्रेजों की हकुमत के खिलाफ आवाज उठना शुरू हो गई थी। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाए जा रहे स्वतंत्रता पर्व पर हमें ऐसे क्रांतिकारियों को याद करने की जरुरत है।

छह साल तक जेल भी रहे

प्रो. बीबी भारद्वाज बताते हैं कि 1920 से लेकर 1942 तक किए गए आंदोलनों के दौरान महाशय काका राम छह साल तक जेल में रहे थे।

वर्ष 1942 में वे पाकिस्तान स्थित मुल्तान की जेल में थे तो उन्होंने भूख हड़ताल कर दी। इस समय छठे दिन उनकी हालत अधिक खराब हो गई। इसके बाद अंग्रेजों ने उन्हें मुल्तान से गुजरात के राजकोट स्थित जेल में भेजा गया। उनका आजादी के इस आंदोलन में विशेष योगदान रहा।

दो दशकों तक आंदोलनों में लिया हिस्सा

इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज ने बताया कि महाशय काका राम एकमात्र ऐसे स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने 1920 से लेकर 1942 तक महात्मा गांधी की तरफ से चलाए गए आंदोलनों में हिस्सा लिया था। भारद्वाज ने बताया कि महाशय काका राम ने 1920 से लेकर 1922 में असहयोग आंदोलन, 1930 से 1932 तक चले सविनय आंदोलन व 1942 में चले अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया था। उनके पिता एक कपड़ा व्यापारी थे, आजादी से पहले एक किस्सा ऐसा है हुआ। 1932 में असहयोग आंदोलन शुरू हुआ था। इसमें महिलाओं की तरफ से ठेके पर धेराबंदी की गई थी। इस दौरान सभी कपड़ा भी इंग्लैंड से आता था। इस आंदोलन में उनके पिता ने अपनी दुकान पर रखे गए विदेशी कपड़े को बीच बाजार में जला इसका बहिष्कार किया था।

अमर उजाला my city बुधवार • 10.08.2022
amarujala.com

गौरव गाथा | लाला फग्गू राम, देवीदयाल व नाराता राम ने लड़ी थी आजादी की लड़ाई : इतिहासकार डॉ. कमलेश

तीन साल तक जेल में काटी थी यातनाएं

आजादी का अमृत महोत्सव

संवाद न्यूज एजेंसी

कैथल। देश की आजादी में कैथल के भी स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान रहा है। कैथल के लाला फग्गू राम, देवीदयाल व नाराता राम ने भी आजादी की लड़ाई लड़ी थी। इतिहासकार डॉ. कमलेश शर्मा ने इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नाराता राम भल्ला ने तीन साल तक जेल में यातनाएं झेली थीं।

लाला फग्गू राम एक हलवाई थे। जब 1947 में देश को आजादी तो मिली तो उन्होंने स्वयं अपने हाथों से लड्डू बनाकर शहर के लोगों को बांटे थे। वे भी आजादी के आंदोलन से वर्ष 1933 में जुड़ चुके थे।

डॉ. कमलेश ने बताया कि इस दौरान कई बार जेल में भी गए। इसके साथ ही कैथल में पहली बार तिरंगा झंडा फहराने वाले महाशय काका राम के साथ महाशय हंसराज भी काफी क्रांतिकारी नेता थे। वे काफी दबंग माने जाते थे। उनके नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ काफी अच्छे संबंध थे। आजादी के आंदोलन के दौरान उन्होंने कांग्रेस के अध्यक्ष अमरनाथ शर्मा, सरोजिनी नायडू को कैथल बुलाया था।

डॉ. कमलेश ने बताया कि नाराता राम भल्ला भी महात्मा गांधी के विचारों से काफी प्रभावित थे। केवल आंदोलन में भाग लेने के लिए तीन साल की सजा हुई थी। 1930 में कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जेबी कृपलानी, राजकुमारी अमृत कौर व सरोजिनी नायडू जैसे नेता कैथल आए थे। वे भी कई बार जेल में गए। वे महाशय काका राम के साथ मिलकर आजादी के आंदोलन में काम करते रहे। उनके लिए लाहौर में कांग्रेस की बहिष्कार कमेटी ने रोहतक कांग्रेस को पत्र लिखकर अच्छा काम करने पर उनकी मदद के लिए कहा था। यह पत्र आज भी उनके परिवार के पास मौजूद है।

डॉ. कमलेश शर्मा

देवीदयाल ने अंग्रेज अफसर को दी थी खुली चुनौती

इतिहासकार डॉ. कमलेश बताते हैं कि जब वर्ष 1942 में देवीदयाल जेल में थे जो एक अंग्रेज अफसर ने उनके खिलाफ एक पत्र जारी कर दिया। इस पत्र में उन्हें काल कोठरी में डालने की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद देवीदयाल ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से इस अंग्रेज अफसर को खुली चुनौती दे दी थी।

अमर उजाला

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन कल

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति की जिला इकाई द्वारा 10 मई को हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता राव सुरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समिति के प्रेस सचिव डा. तेजिंद्र ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी डा. शशीपाल सेठ करेंगे। कार्यक्रम में प्रो. बीबी भारद्वाज प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का उद्बोधन एवं डा. हरीश झंडई प्रांतीय मार्गदर्शक भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का मार्गदर्शन करेंगे।

दैनिक भास्कर

कल मनाया जाएगा प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस

कैथल | भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल की ओर से 10 मई को हिंदू कन्या विद्यालय में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह होगा, राव सुरेंद्र सिंह मुख्यातिथि के रूप में भाग लेंगे। समिति के प्रेस सचिव डॉ. तेजेंद्र ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. शशिपाल सेठ करेंगे। नप चेयरमैन यशपाल प्रजापति, आरकेएसडी कॉलेज से सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. एलएम बिंदलिश और प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति सुनील चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। प्रो. बीबी भारद्वाज प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का उद्बोधन और डॉ. हरीश झंडई प्रांतीय मार्गदर्शक भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का मार्गदर्शन करेंगे।

दैनिक जागरण 9 मई

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह कल

जासं, कैथल : भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल द्वारा 10 मई को हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अंबाला रोड कैथल में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह मुख्यातिथि के रूप में भाग लेंगे। समिति के प्रेस सचिव डॉ. तेजेंद्र ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. शशीपाल सेठ करेंगे। समारोह में नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, आरकेएसडी कॉलेज से सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. एलएम विदलिश और उद्योगपति सुनील चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में प्रो. बीबी भारद्वाज प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का उद्बोधन एवं डॉ. हरीश झंडई प्रांतीय मार्गदर्शक भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का मार्गदर्शन रहेंगे।

दैनिक भास्कर | अम्बाला महानगर, शुक्रवार 11 मई, 2017 | कैथल

विदेशियों ने भारतीय इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया है 1857 ई. की क्रांति फौजी विद्रोह नहीं था : भारद्वाज

1857 के क्रांतिकारियों को किया याद

भास्कर न्यूज | कैथल

कैथल | हिन्दू कन्या स्कूल में भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में [illegible] (ऊपर) मंच पर बैठे भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह, नगर परिषद चेयरमैन यशपाल प्रजापति व अन्य।

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शशिपाल सेठ ने की। समारोह में नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, आरकेएसडी कॉलेज से सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. एलएम बिंदलिश, भूपेंद्र चौधरी व पीयूष चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह का संचालन समिति के प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते समिति के प्रांत अध्यक्ष प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने कहा कि विश्व की जिन प्राचीन देशों ने स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए संघर्ष किया उनमें भारतीय लोगों द्वारा स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए किया गया संघर्ष सबसे महान था। प्रो. भारद्वाज ने 1857 ई. की क्रांति के पश्चात अंग्रेज सरकार द्वारा हरियाणा सहित देश के विभिन्न भागों में अंग्रेजों द्वारा किए गए नरसंहार किया गया।

मुख्यातिथि राव सुरेंद्र सिंह ने बी.बी. भारद्वाज का अभिनंदन किया कि वे अपने इतिहास के विस्तृत ज्ञान को पुस्तक रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विदेशियों ने भारतीय इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया है। 1857 ई. की क्रांति फौजी विद्रोह नहीं था। समारोह के अध्यक्ष डॉ. शशिपाल सेठ ने कहा कि यह कार्यक्रम लोगों को पहले से अधिक शिक्षित व जागृत करने वाला है। समिति के प्रांत मार्गदर्शक डॉ. हरीश झंडई ने 10 मई 1857 ई. के दिन को ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती देने वाला दिन बताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर भारतीयों ने विदेशी आक्रान्ताओं को चुनौती दी। डॉ. आशा ने कहा कि 1857 ई. के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक आकस्मिक घटना नहीं थी। उन्होंने 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा के लोगों की भूमिका को रेखांकित किया।

कुमारी साक्षी ने अर्जुन सिंह नामक अपने मां-बाप के 20 वर्षीय इकलौते पुत्र की नेता जी की सेना में भर्ती होने के जज्बे का वर्णन किया। समिति के उपाध्यक्ष डॉ. आलोक शर्मा ने आए हुए अतिथियों एवं उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। समारोह में डॉ. बीबी [illegible], [illegible] एसडी कौशिक, जिला [illegible] उपाध्यक्ष मनीष [illegible], आचार्य [illegible], प्राचार्य अनिल [illegible], प्राचार्य अमृत [illegible], प्राचार्य मोनिका कौशिक, डॉ. [illegible] शर्मा, डॉ. तेजिंद्र व डॉ. [illegible] सहित शोध के इतिहास प्रेमी उपस्थित रहे।

जागरण सिटी कैथल

पानीपत, 28 मार्च, 2022

कार्यक्रम

आरकेएसडी पीजी कालेज में आयोजित हुई भारतीय इतिहास संकलन समिति की बैठक

स्वतंत्रता सेनानियों ने पुनर्वास में भी दिया सहयोग

जागरण संवाददाता, कैथल : आरकेएसडी कालेज में इतिहास संकलन समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष एवं इतिहासकार रमेश धारीवाल व साहित्य सभा के उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने की, जबकि कार्यक्रम में आरवीएस समिति के कोषाध्यक्ष सुनील चौधरी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

बैठक में आरकेएसडी कालेज के पूर्व प्राध्यापक व इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज मुख्य वक्ता रहे। इस बैठक में जिलेभर के साहित्यकारों व कवियों ने हिस्सा लिया। बैठक में कैथल में लोगों के स्वतंत्रता में दिए योगदान पर प्रकाश डाला गया। इसमें चर्चा की गई कि किस प्रकार से कैथल में भी स्वतंत्रता के समय लोगों में आजादी को लेकर काफी उत्साह रहा था। प्रो.

आरकेएसडी कालेज में इतिहास संकलन समिति की बैठक में संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रो. बीबी भारद्वाज। • जागरण

बीबी भारद्वाज ने बताया कि कैथल के स्वतंत्रता सेनानियों में महाशय काका राम, महाशय रामकिशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गुराम अग्रवाल, महाशय हंसराज, महाशय ब्रजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवीदयाल ठठेरा शामिल थे। प्रो. भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान पीढ़ी को इनकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए कि ये सभी स्वतंत्रता सेनानी न केवल जेल में रहे। इन्होंने स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान से आए भारतीयों को पुनर्वास संबंधी सहयोग भी दिया।

इस मौके पर देवीदयाल ठठेरा के पौत्र ओमप्रकाश को सम्मानित भी किया गया। मुख्यातिथि सुनील चौधरी ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि ये महाशय ब्रजलाल के परिवार से हैं। इस मौके पर उपप्रधान प्रो. अशोक अत्रि ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया। मधु गोयल ने देशभक्ति गीत ए मेरे प्यारे वतन, ए मेरे बिछड़े चमन, तुझपे दिल कुर्बान गाकर माहौल को देशभक्तिमय बनाया।

कार्यक्रम के अंत में राजीव एवं कमल शर्मा ने भगत सिंह के ऊपर रागनी गाकर कार्यक्रम को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस मौके पर कुलदीप चंद, प्रो. आशा, प्रो. संयोगिता, मधु गोयल, रिसाल जांगड़ा, राजेश भारती, रामफल गौड़ , प्रो. राजीव शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

दैनिक भास्कर

स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल के योगदान विषय पर सेमिनार

देवीदयाल, काकाराम, रामकिशन और नराता राम जैसे देशभक्तों ने स्वतंत्रता संग्राम में दिया योगदान

कैथल| इतिहास संकलन समिति हरियाणा कैथल ईकाई के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान के विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि सुनील चौधरी शामिल हुए। अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष एवं इतिहासकार रमेश धारीवाल ने की। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बीबी भारद्वाज ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कैथल के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को रेखांकित किया। महाशय काका राम, महाशय रामकिशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गुराम अग्रवाल, महाशय हंसराज, महाशय ब्रजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवीदयाल ठठेरा आदि के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद किया। मौके पर कैथल ईकाई के प्रधान कमलेश शर्मा, उपप्रधान प्रो. अशोक अत्रि, समिति के प्रांत संगठन सचिव कुलदीप चंद, प्रो. आशा, प्रो. संयोगिता, मधु गोयल, रिसाल जांगड़ा, साहित्य अकादमी से सम्मानित युवा लेखक राजेश भारती, लखमीचंद पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध कवि रामफल, प्रो राजीव शर्मा मौजूद रहे।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, बुधवार, 27 मार्च, 2019

कॉलेज में शहीदों की याद में संगोष्ठी

कैथल (हप्र) : इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय में हरियाणा इतिहास संकलन समिति के तत्वावधान में क्रांतिकारी शहीदों के जीवन परिचय से रूबरू करवाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं के रूप में बीबी भारद्वाज, रिटायर्ड विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, आरकेएसडी कालेज कैथल, एमएलएन कालेज यमुनानगर के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं हरियाणा इतिहास संकलन समिति की महिला प्रमुख सरोज चौधरी ने शिरकत की। भारद्वाज ने छात्राओं को क्रांतिकारियों मन्मथ नाथ बैनर्जी, भगवती चरण वोहरा व खुशी राम सहित अनेक शहीदों के बलिदान के बारे में बताया जो कि इतिहास के पन्नों में गुम हो चुके हैं। समिति के मार्गदर्शक हरीश झांडई व महिला प्रमुख सरोज चौधरी ने महान क्रांतिकारी सोहन लाल व हरिकिशन को कविता पाठ के द्वारा श्रद्धांजलि दी एवं छात्राओं को इन वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। अंत में महाविद्यालय प्रबंधक समिति के उपप्रधान राम बहादुर खुरानिया एवं कार्यवाहक प्राचार्या डिंपल गोयल ने अतिथिगणों को स्मृति चिन्ह व कालेज पत्रिका संगीता की प्रतियां देकर सम्मानित किया।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, शनिवार, 28 सितंबर, 2019

इतिहासकार डा. सतीश चन्द्र को किया याद

कैथल, 27 सितंबर (हप्र)

अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति जिला इकाई कैथल द्वारा शिक्षाविद् एवं इतिहासकार डा. सतीश चन्द्र की स्मृति में आरकेएसडी कालेज में श्रद्धांजलि-सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते हुए इतिहासकार कमलेश शर्मा ने कहा कि डा. सतीश चंद्र ने इतिहास विषय की दो दर्जन से अधिक पुस्तकों की रचना कर भारत के लुप्त और गुप्त इतिहास को भारत और विश्व के सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके शोधपरक लेख सोशल साइंस जैसी राष्ट्रीय पत्रिकाओं में छपे। डा. सतीश चंद्र के शिष्य रहे डॉ. हरीश झंडै ने कहा कि उनका व्यक्तित्व सादगीपूर्ण और आत्मीयता से भरा था। प्रो. अमृत लाल मदान ने उन्हें नवशिक्षकों को उत्साहित करने वाला वरिष्ठ साथी बताया। डॉ. पीसी मित्तल ने डॉ. सतीश चन्द्र को याद करते हुए कहा कि उनके चेहरे पर सौम्यता और मुस्कुराहट खिली रहती थी। डॉ. सतीश चन्द्र को पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रो. बी.बी. भारद्वाज, डॉ. अशोक अत्री, सोहन लाल गुप्ता, ज्ञान चंद भल्ला, कैलाश भगत, मधु गोयल, सुमन, प्रधानाचार्य अमृत सचदेवा, ईश्वर चंद गर्ग सहित नगर की शैक्षणिक, साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल थे।

कैथल के आरकेएसडी कालेज में शुक्रवार को डा. सतीश चंद्र को श्रद्धांजलि देते कमलेश शर्मा। -हप्र

कैथल केसरी

शनिवार SATURDAY 28 सितम्बर 2019

इतिहासकार सतीश मित्तल की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कैथल, 27 सितम्बर (मित्तल): अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति जिला इकाई कैथल ने शिक्षाविद् एवं इतिहासकार डा. प्रो. सतीश चंद्र मित्तल की स्मृति में आर.के.एस.डी. कालेज के अध्यापक-कक्ष में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। डा. सतीश का गत दिनों देहावसान हो गया था। डा. मित्तल ने आर.के.एस.डी. कालेज कैथल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में इतिहास पढ़ाया। उन्होंने इतिहास विषय की 2 दर्जन पुस्तकों की रचना करके भारत के लुप्त और गुप्त इतिहास को भारत और विश्व के सामने लाने का कार्य किया। उनकी अंतिम प्रकाशित पुस्तक जलियांवाला बाग विषय को लेकर थी। उनके शोधपरक लेख, पंचजन्य, क्रानिकल और सोशल साइंस जैसी राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में छपे। एन.एस.एस. के ध्येय वाक्य नॉट मी, बट यू के जनक डा. सतीश मित्तल ही थे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते हुए इतिहासकार कमलेश शर्मा ने डा. सतीश के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। शिष्य डा. हरीश झंडई ने उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व सादगीपूर्ण और आत्मीयता से भरा था। प्रो. अमृत लाल मदान ने डा. सतीश को नवशिक्षकों को उत्साहित करने वाला वरिष्ठ साथी बताया। आर.के.एस.डी. कालेज के एन.एस.एस. के प्रथम कार्यक्रम अधिकारी डा. सतीश थे। उन्होंने एन.एस.एस. के माध्यम से कैथल के आसपास के गांवों का भ्रमण करके ग्रामीणों को श्रमदान की प्रेरणा दी। उन्हें बाल-विवाह और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक किया। कैथल में सेवा संघ का गठन उन्हीं की प्रेरणा का परिणाम है। डा. पी.सी. मित्तल ने कहा कि डा. सतीश के चेहरे पर सौम्यता और मुस्कुराहट खिली रहती थी। डा. पी.सी. मित्तल ने कहा कि वे केवल सहयोगी ही नहीं, मार्गदर्शक भी थे। प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने कहा कि डा. सतीश उनके लिए अध्यापक, मार्गदर्शक, गुरु और प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीय संस्कृति के उत्थान और संरक्षण को समर्पित कर दिया। उन्होंने सरकार द्वारा दिए जाने वाले हर बड़े पद को ठुकराया और कहा कि मैं अध्यापक हूं और अध्यापक ही रहूंगा। डा. सतीश को पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में डा. अशोक अत्रि, सोहन लाल गुप्ता, ज्ञान चंद भल्ला, डा. तेजिंद्र, जसमेर सिंह बंदराना, हरमन चीका, धीरज कौशिक कुरुक्षेत्र, मधु गोयल, सुमन, प्रधानाचार्य अमृत सचदेवा, ईश्वर चंद गर्ग सहित नगर की शैक्षणिक, साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कैथल व आसपास के क्षेत्र के लोग शामिल थे।

श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते कमलेश शर्मा। (रमेश)

12 | दैनिक जागरण पानीपत, 28 मई 2012

इतिहास के संकलन की आवश्यकता: बालमुकुंद

प्रांतीय सम्मेलन
- भारतीय इतिहास का अध्ययन वर्तमान परिपेक्ष में हो
- स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का किया वर्णन

मंच पर बैठे भारतीय इतिहास संकलन समिति के पदाधिकारी।

कैथल, जागरण संवाद केंद्र: भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा द्वारा प्रांतीय प्रतिनिधि सम्मेलन एवं ग्रंथ लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को आरकेएसडी कालेज के सेमिनार कक्ष में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सतीश चन्द मित्तल ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के ...

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, मंगलवार, 7 अक्तूबर, 2014

बच्चों को सही ढंग से पढ़ायें इतिहास

इतिहास संकलन समिति का प्रांतीय सम्मेलन संपन्न

कुरुक्षेत्र, 6 अक्तूबर (हप्र)

भारतीय इतिहास संकलन समिति का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन ... रोड स्थित गीता निकेतन आवासीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ। ... इतिहास संकलन की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत के चक्रवर्ती सम्राट और राजर्षि इतिहास राष्ट्र के नेत्र हैं। डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा ने कहा कि हमें देश को जगाने के लिये ... चाहिए। अनिल कुमार कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भारतीय इतिहास गौरव का इतिहास है इसे बच्चों को सही ढंग से पढ़ाया जाना चाहिए। सही इतिहास की जानकारी के बिना व्यक्ति अपने देश की संस्कृति से ...

प्रो. बीबी भारद्वाज बने अध्यक्ष

अमर उजाला चंडीगढ़ | 11 मई 2015

भारत के स्वर्णिम इतिहास पर प्रकाश

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की ओर से आरकेएसडी कालेज में डा. हरीश के मार्गदर्शन में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता उद्योगपति धर्मपाल शर्मा ने की। मंच संचालन कमलेश शर्मा ...

आरकेएसडी कॉलेज में भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम समारोह में मौजूद लोग।

अमर उजाला चंडीगढ़ 7 अक्तूबर 2014

बीबी भारद्वाज बने समिति अध्यक्ष

कैथल (ब्यूरो)। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा में कैथल को ...

पंजाब केसरी

शनिवार SATURDAY 26 मई 2012

इतिहास संकलन समिति का प्रतिनिधि सम्मेलन कल

कैथल, 25 मई (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति, हरियाणा का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन कल आर.के.एस.डी. कालेज में आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए समिति के जिलाध्यक्ष कमलेश शर्मा एवं सदस्य, जिला इतिहास संकलन समिति तेजिंद्र ने बताया कि सम्मेलन की अध्यक्षता आर.एस. खर्ब, मुख्य प्रशासक आवास बोर्ड, हरियाणा करेंगे। इस अवसर पर डा. सतीश चंद मित्तल, राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे तथा बाल मुकुंद पांडेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे।

---

25 मई 2012

दैनिक भास्कर

इतिहास संकलन समिति का सम्मेलन 27 को

कैथल| भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन 27 मई को आरकेएसडी कॉलेज में होगा। संयोजक कमलेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्यातिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डा. सतीश चंद्र मित्तल और अध्यक्षता मुख्य प्रशासक आवास बोर्ड आरएस खरब करेंगे।

अमर उजाला

चंडीगढ़ | 18 अगस्त 2014

गोष्ठी में धर्मनिरपेक्षता पर मंथन किया

कैथल (ब्यूरो)। भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में धर्म निरपेक्षता बनाम सर्वधर्म सद्भाव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डा. ओमप्रकाश बंसल की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी का संचालन इतिहासविद् कमलेश शर्मा ने किया। शर्मा ने उपस्थित जनों को संगोष्ठी के विषय से परिचित करवाया। प्रोफेसर बीबी भारद्वाज ने धर्मनिरपेक्षता को एक अच्छा विचार, अच्छी सोच बताया। उन्होंने धर्म निरपेक्षता के अर्थ एवं इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत शुरू से ही धर्मनिरपेक्ष देश रहा है। विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के साथ-साथ कौटिल्य के अर्थशास्त्र, फाहियान व अमर सिंह के अमर कोश जैसी विदेशी यात्रियों के सफरनामे में राजा के लिए निर्देश है कि राजा को सभी धर्मों का पोषण करना चाहिए। हिंदु राजाओं ने मस्जिदों का निर्माण करवाया। जो उनकी धर्म निरपेक्ष सोच का परिणाम है। धर्म निरपेक्ष के संबंध में प्रोफेसर बीबी भारद्वाज ने कहा कि हमें लकीर का फकीर नहीं बनना चाहिए।

दैनिक जागरण पानीपत, 30 अगस्त 2014

राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेकर लौटे इतिहासकार

जासं, कैथल : राष्ट्रीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. हरीश झंडई के नेतृत्व में कैथल के इतिहासकारों ने गुजरात के सरदार कृषि विश्वविद्यालय दांतीवाड़ा में आयोजित समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लिया। डॉ. झंडई के अतिरिक्त इस राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने वालों में समिति के प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा, प्रो. दलीप सिंह हुड्डा, संगठन सचिव कुलदीप और महासचिव डॉ. सुभाष शर्मा शामिल थे। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में इतिहासकारों द्वारा सरस्वती नदी, हड़प्पा सभ्यता और पुराणों में इतिहास विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये गए। अधिवेशन में निर्णय लिया गया कि देश के प्रत्येक जिले का इतिहास लिखा जाए, ताकि भावी पीढ़ी अपने अतीत को बेहतर जान सके।

अमर उजाला

चंडीगढ़ | 30 अगस्त 2014

न्यूज डायरी

अधिवेशन से लौटे कैथल के इतिहासकार

कैथल। राष्ट्रीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डा. हरीश के नेतृत्व में कैथल के इतिहासकारों ने गुजरात के सरदार कृषि विश्वविद्यालय, दांतीवाड़ा में आयोजित समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लिया। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में इतिहासकारों द्वारा सरस्वती नदी, हड़प्पा सभ्यता और पुराणों में इतिहास विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान निर्णय लिया गया कि देश के प्रत्येक प्रांत व जिले का इतिहास लिखा जाए। प्रेस सचिव तेजिन्द्र ने बताया कि समिति जिला कैथल इकाई पहले से ही जिले के इतिहास लेखन का कार्य शुरू कर चुकी है। राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने में प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा, प्रोफेसर दलीप सिंह हुड्डा, संगठन सचिव कुलदीप सिंह, महासचिव सुभाष शर्मा शामिल थे।

पंजाब केसरी

शनिवार SATURDAY 30 अगस्त 2014

राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेकर लौटे इतिहासकार

कैथल, 29 अगस्त (मित्तल): राष्ट्रीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डा. हरीश झंडई के नेतृत्व में कैथल के इतिहासकारों ने गुजरात के सरदार कृषि विश्वविद्यालय, दांतीवाड़ा (पालनपुर) में आयोजित समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लिया। डा. झंडई के अतिरिक्त इस राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने वालों में समिति के प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा, प्रो. दलीप सिंह हुड्डा, संगठन सचिव कुलदीप तथा महासचिव डा. सुभाष शर्मा शामिल थे।

इस राष्ट्रीय अधिवेशन में इतिहासकारों द्वारा सरस्वती नदी, हड़प्पा सभ्यता और पुराणों में इतिहास विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

16

इतिहासकार हर जिले का लिखेंगे इतिहास

» कैथल में इतिहास-लेखन का कार्य आरंभ » हर गांव का भी लिखा जा रहा इतिहास

भास्कर न्यूज | कैथल

इतिहासकार हर जिले का इतिहास लिखेंगे। इतिहासकारों ने यह निर्णय गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन से लौटने के बाद लिया है। राष्ट्रीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. हरीश झंडई के नेतृत्व में कैथल के इतिहासकार गुजरात के सरदार कृषि विश्वविद्यालय दांतीवाड़ा में आयोजित समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में हिस्सा लेने गए हुए थे। राष्ट्रीय अधिवेशन में हिस्सा लेने वालों में समिति के प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा, प्रो. दलीप सिंह, संगठन सचिव कुलदीप व महासचिव डा. सुभाष शर्मा उपस्थित थे।

इस राष्ट्रीय अधिवेशन में इतिहासकारों द्वारा सरस्वती नदी, हड़प्पा सभ्यता और पुराणों में इतिहास विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रीय अधिवेशन में निर्णय लिया गया कि देश के प्रत्येक प्रांत के प्रत्येक जिले का इतिहास लिखा जाए। जिसमें जिले की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक व धार्मिक स्थिति के साथ-साथ साहित्य व कला का भी उल्लेख किया जाए। इस इतिहास लेखन में हर जिले के सक्रिय रहे लोगों व उनकी उपलब्धियों को भी प्रकाश में लाया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपने अतीत को बेहतर जान सके। समिति की जिला इकाई के प्रेस सचिव डॉ. तेजिंद्र ने बताया कि समिति की जिला कैथल इकाई पहले से ही जिले के इतिहास-लेखन का कार्य आरंभ कर चुकी है। जिसमें गांव को इकाई के रूप में लिया गया है।

हरियाणा समाज

आज समाज अंबाला/चंडीगढ़, मंगलवार, 7 अक्तूबर 2014 03

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित

प्रो. बीबी भारद्वाज चुने गए अध्यक्ष

आज समाज नेटवर्क

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य।

कैथल/आसपास

2

बुरा इतिहास गलतियों से सीख देता है और अच्छा आगे बढ़ने की प्रेरणा : इंद्रेश

आरकेएसडी कॉलेज में इतिहास दिवस समारोह के आयोजन

भास्कर न्यूज | कैथल

कैथल | आरकेएसडी कालेज में भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार।

लेडी नहीं मां व बेटी कहें

कैथल केसरी — सोमवार MONDAY 18 अगस्त 2014

धर्म निरपेक्षता बनाम सर्व धर्म सद्भाव पर संगोष्ठी आयोजित

कैथल, 17 अगस्त (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति कैथल द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के प्रांगण में धर्म निरपेक्षता बनाम सर्व धर्म सद्भाव विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। डा. ओमप्रकाश बंसल की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी का संचालक इतिहासविद् कमलेश शर्मा ने किया।

मंच संचालन करते हुए कमलेश शर्मा ने उपस्थितजनों को संगोष्ठी के विषय से परिचित करवाया।

मुख्य वक्ता के रूप में इतिहासविद् प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने धर्म निरपेक्षता को अच्छा विचार, अच्छी सोच बताया। उन्होंने धर्म-निरपेक्षता के अर्थ, स्वरूप एवं इतिहास पर प्रकाश डाला।

अपने वक्तव्य में प्रो. भारद्वाज ने धर्म-निरपेक्षता की यात्रा के विभिन्न पड़ावों का जिक्र किया। धर्म निरपेक्षता के संबंध में प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने कहा कि हमें लकीर का फकीर नहीं बनना चाहिए। इस अवसर इतिहास-प्राध्यापक रहे भान सिंह व प्रो. अमृत लाल मदान ने भी विचार रखे।

संगोष्ठी के दौरान प्रो. सतीश शर्मा व डा. तेजिंद्र क्योड़क आदि ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा शांत की।

इस अवसर पर रिसाल जांगड़ा, रामफल गौड़, सतबीर जागलान, अनिल गर्ग, विजय कृष्ण राठी, रविंद्र रवि, ज्ञानचंद भल्ला, सोहन लाल गुप्ता, ईश्वर चंद गर्ग, सरोज जोशी, राजकुमार मदान, अनिल कौशिक, पंकज खोसला, डा. प्रद्युमन भल्ला, सूबे सिंह रावश, बालकिशन बेजार, रामकुमार भारतीय व चेतन चौहान आदि उपस्थित थे।

---

4 अक्तूबर 2014

www.punjabkesari.in

भारतीय इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष बने कमलेश शर्मा

कैथल, 3 अक्तूबर (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति की जिला कैथल इकाई के गठन व कुरुक्षेत्र में 5 अक्तूबर को आयोजित होने वाले प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन विषय पर विचार-विमर्श करने के लिए जिला समिति द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया।

कमलेश शर्मा प्रांत उपाध्यक्ष आवास पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष हरीश चंद्र झंडई ने की। बैठक में समिति की जिला इकाई का गठन किया गया जिसमें प्रो. बी.बी. भारद्वाज एवं डा. ओ.पी. बंसल को संरक्षक, कमलेश शर्मा को अध्यक्ष, भान सिंह, डा. अशोक अत्री व डा. आशा रानी को उपाध्यक्ष, रिछपाल सिंह को सचिव, सोहन लाल को संगठन सचिव, हरीश मदान को कोषाध्यक्ष, डा. रोहतास जमदग्नि को विद्वत परिषद प्रमुख, ज्ञानचंद भल्ला को महासचिव, प्रो. सतीश शर्मा को लेखा निरीक्षक, डा. तेजिंद्र को प्रैस सचिव, प्राचार्य अमृतलाल सचदेवा, अनिल छाबड़ा, प्रो. सतीश शर्मा व कमलेश संधू को परामर्शदाता मनोनीत किया गया।

अमर उजाला — चंडीगढ़ | 16 जून 2014

संविधान की प्रासंगिकता पर प्रोफेसरों का मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में रविवार को भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में इतिहास विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद् प्रोफेसर बीबी भारद्वाज ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डा. हरिश्चंद्र ने की। डा. रोहताश ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कुछ कानून अब प्रभावहीन हो चुके हैं। इनमें आज के संदर्भ में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। डा. अशोक अत्री ने देश की संवैधानिक समस्याओं का जिक्र करते हुए समय के अनुसार बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रासंगिकता सदा रहेगी। कानून का सभी को पालन करना चाहिए। राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर आरके गुप्ता ने संविधान की कमियों को दूर करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति जो कानून बनाए गए हैं, उससे अपराधों में कोई कमी नहीं आई है। महिलाओं के प्रति पुरुष प्रधान समाज को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। इस अवसर पर ज्ञानचंद भल्ला, जीएस भुल्लर, सतबीर जागलान, रिसाल जांगड़ा, प्रो. सतीश शर्मा, अनिल छाबड़ा, तेजिन्द्र, हरीश मदान, डा. ओम प्रकाश बंसल व हकीम चतर्भुज बंसल मौजूद थे।

दैनिक जागरण — पानीपत, 9 दिसंबर 2014

'तथ्यों पर आधारित हो इतिहास'

कैथल : कैथल के इतिहासकारों के एक दल ने भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जींद के अन्न क्षेत्र धर्मशाला में आयोजित त्रिमासिक प्रांत बैठक में भाग लिया। प्रोफेसर बी.बी भारद्वाज प्रांत अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में डॉ. हरीश झंडई, कमलेश शर्मा व तेजिन्द्र ने भाग लिया।

बैठक में प्रो. बी बी भारद्वाज ने क्षेत्र के विद्वानों और कार्यकर्ताओं को समिति से जोड़ने का आह्वान किया। डॉ. हरीश झंडई ने कहा कि इतिहास तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। इतिहास लेखन में नवीनता होना चाहिए। इतिहासकार कमलेश शर्मा ने कहा कि जिस किसी की इतिहास में रुचि हो और वह समर्पण भाव से इतिहास संकलन समिति के लिए काम करना चाहता है, उसे समिति से जोड़ा जाएगा।

कैथल केसरी — रविवार SUNDAY 26 मार्च 2017

समिति ने किया स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन

कार्यक्रम में महाशय बृजलाल चौधरी के वंशजों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

कैथल, 25 मार्च (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल द्वारा आई.जी. पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.जी. स्कूल के प्रधान जगदीश बहादुर खुरानिया ने की। कार्यक्रम में नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, भाजपा जिला उपाध्यक्ष लीली गुंजाल एवं सेवानिवृत्त एक्स.ई.एन. यशपाल चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

सम्मान समारोह का संचालन समिति के प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया। समिति के प्रांत अध्यक्ष प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने जिला कैथल से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों शहीद महाशय काका राम, महाशय बृजलाल चौधरी एवं नराता राम भक्त के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके वंशजों का कार्यक्रम में आने पर स्वागत किया। समारोह में शहीद महाशय काका राम की पड़पौत्री डा. विनय सिंहल को, महाशय बृजलाल चौधरी के बेटे सत्यदेव चौधरी, सुशील चौधरी व डा. नरेंद्र चौधरी को एवं नराता राम भक्त के पौत्र सुभाष भक्त को सम्मानित किया गया।

समारोह में समिति के प्रांत मार्गदर्शक डा. हरीश झंडई ने अपने वक्तव्य व कविता के माध्यम से आजादी के दीवानों को नमन किया। इतिहासविद् गुलशन कालिया ने गूंडी क्षेत्र के शहीद स्वतंत्रता सेनानी गिरधर आहलूवालिया के 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान एवं शहादत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रो. दीप शिखा ने एक कविता के माध्यम से आजादी के दिनों को याद किया। प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों श्यामजी कृष्ण वर्मा, वीर सावरकर, मैडम भीखा जी कामा, वासुदेव बलवंत फड़के, चापेकर बंधुओं, भाई बाल मुकुंद के स्वतंत्रता संघर्ष में दिए गए योगदान का विस्तार से वर्णन किया। समारोह के अध्यक्ष जगदीश बहादुर खुरानिया ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में समिति की जिला इकाइयों का आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों से मिलकर उनके दुर्लभ चित्र एकत्रित कर चित्र-प्रदर्शनियों का आयोजन करें। 23 मार्च सहित स्वतंत्रता सेनानियों की जयंतियों एवं पुण्य तिथियों पर भी इस प्रकार के आयोजन करें। मुख्यातिथि राव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि समिति द्वारा अज्ञात शहीदों को प्रकाश में लाना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित जानकारी का डाक्युमेंटेशन किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में अनिल छाबड़ा मार्गदर्शक, अमृत सचदेवा मार्गदर्शक, प्रो. संयोगिता शर्मा महिला प्रमुख, डा. अशोक अत्री उपाध्यक्ष, डा. आशा रानी उपाध्यक्षा, ज्ञानचंद भल्ला महासचिव, सोहन लाल गुप्ता संगठन सचिव, डा. तेजिंद्र प्रांत प्रैस सचिव, सुमन राणा, प्रो. रेणु कंसल, प्रो. सपना राय, रिसर्च स्कालर जसमेर सिंह, हरमनदीप सिंह, रजनी दहिया व रिसाल जांगड़ा सहित नगर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

---

11 मई 2015

कैथल केसरी

मनुष्य की मूल प्रवृत्ति स्वतंत्र रहना है : भारती

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह आयोजित

समारोह में उपस्थित मुख्यातिथि भारत भूषण भारती व अन्य। (पराशर)

कैथल, 10 मई (पराशर): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला कैथल इकाई द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के सैमीनार कक्ष में प्रांत मार्गदर्शक डा. हरीश झंडई के मार्गदर्शन में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी धर्मपाल शर्मा ने की तथा समाजसेवी राधेश्याम मलिकपुरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। मंच संचालन कमलेश शर्मा व डा. रोहताश जमदग्नि ने किया। कार्यक्रम में प्रो. संयोगिता के मार्गदर्शन में सरस्वती-वंदना प्रस्तुत की गई। समारोह में विजय कृष्ण राठी ने भारत के गौरवमयी अतीत का वर्णन किया। डा. रोहताश जमदग्नि व डा. हरीश झंडई ने अपने ओजस्वी काव्य-पाठ से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

डा. आशा रानी ने अपने शोध परक आलेख में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कारणों, घटनाओं, परिणामों एवं प्रभावों को रेखांकित किया। प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि आजादी के लिए सबसे बड़ा संघर्ष करने वाले देशों में भारत अग्रणी रहा है। उन्होंने 1803 ई. से स्वतंत्रता प्राप्ति तक के काल तक स्वतंत्रता-प्राप्ति संघर्ष का वर्णन किया। एक इतिहासकार को उद्धृत करते हुए प्रो. भारद्वाज ने कहा कि 1857 का प्रथम स्वतंत्रता-संग्राम 19वीं शताब्दी की विश्व की सबसे महत्वपूर्ण एवं विवादित घटना थी।

कमलेश शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम के ज्ञात-अज्ञात शहीदों को नमन करते हुए उनके स्मारक न बनाए जाने पर रोष प्रकट किया। डा. हरीश झंडई ने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ने स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त किया। विशिष्ट अतिथि राधेश्याम मलिकपुरिया ने कहा कि शहीदों के परिजनों को सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि शीघ्र मिलनी चाहिए। 1857 ई. के शहीदों को नमन करते हुए समारोह के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने कहा कि शहीद हिंदुस्तान की आत्मा है। मुख्यातिथि भारत भूषण भारती ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति स्वतंत्र रहना है। उन्होंने कहा कि गुलामी की प्रवृत्ति अभी भी हममें किसी न किसी रूप में विद्यमान है। यही कारण है कि हम पश्चिमी संस्कृति का अंधानुसरण कर रहे हैं।

डा. अशोक अत्री ने कहा कि हमारा इतिहास लिखित रूप में उपलब्ध नहीं है। यदि उपलब्ध भी है तो विकृत रूप में। समारोह में शोधार्थी जसमेर सिंह, राजेश कुमार, डा. ओ.पी. बंसल, प्राचार्य अनिल छाबड़ा, प्राचार्य अमृत सचदेवा, भान सिंह, सोहन लाल गुप्ता, सतीश मदान, डा. तेजिंद्र सहित काफी संख्या में नगर व देहात के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अमर उजाला — कैथल — वीरवार, मई 11, 2017

शहीदों की कुर्बानी को किया याद

भारतीय इतिहास संकलन समिति की जिला इकाई ने आयोजित किया समारोह

भारतीय इतिहास संकलन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता राव सुरेन्द्र सिंह व अन्य।

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, बृहस्पतिवार, 11 मई, 2017

पहले स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को याद किया

कैथल (हप्र) : हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा प्रथम स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी डॉक्टर शशिपाल सेठ ने की और मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह पहुंचे। वक्ताओं ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ने देश के अनेक वीर सपूतों की कुर्बानियां दीं। क्रांतिकारी मंगल पांडे ने 10 मई 1857 को आंदोलन की शुरुआत की थी इसमें हजारों क्रांतिकारी शहीद हुए। उन्होंने कहा कि अध्यापकों का कर्तव्य बनता है कि वह बच्चों को इतिहास के बारे में जानकारी दें।

कैथल केसरी
सोमवार MONDAY 28 मार्च 2022

'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान' विषय पर इतिहास संकलन समिति ने आयोजित किया सैमीनार

कैथल, 27 मार्च (मित्तल) : इतिहास संकलन समिति हरियाणा कैथल इकाई द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि सुनील चौधरी प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं कोषाध्यक्ष आर.वी.एस., आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल रहे। सेमिनार की अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष एवं इतिहासकार रमेश धारीवाल ने की। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कैथल के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को रेखांकित किया।

सैमीनार के दौरान गण्यमान्य अतिथि को सम्मानित करते मुख्यातिथि सुनील चौधरी व अन्य। (मित्तल)

महाशय काका राम, रामकिशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गुराम अग्रवाल, हंसराज, बृजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवीदयाल ठठेरा आदि के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए प्रो. भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान पीढ़ी को इनकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। ये सभी स्वतंत्रता सेनानी न केवल जेल में रहे, बल्कि इन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात पाकिस्तान से आए भारतीयों को पुनर्वास संबंधी सहयोग भी दिया। इस अवसर पर देवीदयाल ठठेरा के पौत्र ओमप्रकाश को सम्मानित भी किया गया। मुख्यातिथि सुनील चौधरी ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि वे महाशय ब्रजलाल के परिवार से हैं।

उन्होंने इस तरह के आयोजन के लिए सदा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। सभा के अध्यक्ष प्रो. रमेश धारीवाल ने कैथल इकाई के इस भव्य आयोजन के लिए प्रशंसा की एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने सम्भाषण में स्वतंत्रता आंदोलन में भारत की संत परम्परा के योगदान को स्पष्ट करते हुए विचार दिया कि निरंतर चर्चा-परिचर्चा द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सही स्थान दिया जा सकता है। इससे पहले इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ।

उसके पश्चात कैथल इकाई के प्रधान कमलेश शर्मा, उपप्रधान प्रो. अशोक अत्री ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया एवं पुष्प मालाओं के साथ स्वागत किया।

मधु गोयल ने गाया देशभक्ति गीत

ए मेरे प्यारे वतन, ए मेरे बिछड़े चमन, तुझपे दिल कुर्बान गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया। उनके शेयर ठठी सोने वालों, सवेरा हुआ है, वतन के रखवालों का फेरा हुआ है को भी सराहना मिली। कार्यक्रम के अंत में राजीव एवं कमल शर्मा ने शहीद भगत सिंह विषय पर रागिनी गाकर कार्यक्रम को ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

इस अवसर पर समिति के प्रांत संगठन सचिव कुलदीप चंद विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। इस अवसर पर प्रो. आशा, प्रो. संयोगिता, मधु गोयल, रिसाल जांगड़ा, साहित्य अकादमी से सम्मानित युवा लेखक राजेश भारती, लक्ष्मीचंद पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध कवि रामफल गौड़ व प्रो. एजीव शर्मा सहित शहर की गण्यमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सकल मंच का संचालन कमलेश शर्मा ने किया।

कैथल
my city
सोमवार • 28.03.2022
amarujala.com
आस-पास के कार्यक्रमों की जानकारी इस मेल पर भेजें- kaithalbureau@chd.amarujala.com

कार्यक्रम

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

'आजादी की लड़ाई में योगदान देने वालों के बारे में जानकारी रखें युवा'

संवाद न्यूज एजेंसी

कैथल। इतिहास संकलन समिति हरियाणा, कैथल इकाई के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि युवा पीढ़ी को आजादी की लड़ाई में योगदान देने वालों के बारे जानकारी होनी चाहिए।

आजादी की लड़ाई में योगदान देने वाले महाशय काका राम, महाशय रामकिशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गुराम अग्रवाल, महाशय हंसराज, महाशय ब्रजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवीदयाल ठठेरा के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए प्रो. भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि युवा पीढ़ी को इनकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। ये सभी स्वतंत्रता सेनानी न केवल जेल में रहे बल्कि इन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात पाकिस्तान से आए भारतीयों को पुनर्वास संबंधी सहयोग भी दिया। देवीदयाल ठठेरा के पौत्र ओमप्रकाश को सम्मानित भी किया गया। बतौर मुख्यातिथि आरवीएस कोषाध्यक्ष सुनील चौधरी ने इस बात पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि वे महाशय ब्रजलाल के परिवार से हैं। उन्होंने इस तरह के आयोजन के लिए सदा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम में सदस्यों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि सुनील चौधरी व अन्य। संवाद

सभा के अध्यक्ष प्रो. रमेश धारीवाल ने कैथल इकाई के इस भव्य आयोजन के लिए प्रशंसा की एवं बधाई दी। इससे पहले इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। उसके पश्चात कैथल इकाई के प्रधान कमलेश शर्मा, उपप्रधान प्रो. अशोक अत्रि ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया। मधु गोयल ने देशभक्ति गीत गाकर माहौल को राष्ट्रवादी बनाया। कार्यक्रम के अंत में राजीव एवं कमल शर्मा ने भगत सिंह पर रागिनी गाई। इस अवसर पर समिति के प्रांत संगठन सचिव कुलदीप चंद, विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। इस अवसर पर प्रो. आशा, प्रो. संयोगिता, मधु गोयल, रिसाल जांगड़ा, साहित्य अकादमी से सम्मानित युवा लेखक राजेश भारती, कवि रामफल गौड़, प्रो राजीव शर्मा आदि मौजूद रहे। कमलेश शर्मा ने मंच संचालन किया।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, रविवार, 21 अप्रैल, 2019 7

वैदिक कपिस्थल से वर्तमान कैथल' विषय पर आयोजित गोष्ठी में बोले डॉ. द्विवेदी

इतिहास बचाने के लिए इतिहास पुरुषों को याद करना होगा

कैथल, 20 अप्रैल (हप्र)

महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय मुंदड़ी के कुलपति डॉ. श्रेयांश द्विवेदी ने कहा कि इतिहास के बिना भारतीय संस्कृति कि कल्पना असंभव है। भारत की भूमि अपर्ण व तर्पण की भूमि है। इतिहास को अगर अच्छे से जानना है तो हमें अपनी प्राचीन शिक्षा प्रद्धति पर लौटना होगा। श्रेयांश द्विवेदी यहां आरकेएसडी कॉलेज (संध्या सत्र) के सेमीनार कक्ष में भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा डॉ. दामोदर वासिष्ठ की स्मृति में आयोजित गोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

गोष्ठी का विषय वैदिक कपिस्थल से वर्तमान कैथल तक था। कार्यक्रम का मंच संचालन इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आरकेएसडी कॉलेज सति के कोषाध्यक्ष सुनील चौधरी, सरस्वती विकास बोर्ड के सदस्य डॉ. शशीपाल सेठ पहुंचे थे।

कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में शनिवार को अतिथियों का स्वागत करते इतिहास संकलन समिति के सदस्य। -हप

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता समिति के प्रांतीय मार्गदर्शक प्रो. बीबी भारद्वाज, अतिरिक्त सैशन जज चन्द्रशेखर वासिष्ठ उपस्थित थे

इतिहास देश ही नहीं, विश्व से जोड़ता है : साकेत मंगल

प्रो. बीबी भारद्वाज ने वैदिक कपिस्थल से लेकर वर्तमान कैथल के इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। गोष्ठी में पहुंचे अतिथियों का स्वागत समिति के उपाध्यक्ष डा. अशोक अत्रि व डॉ. हरीश झंडई ने किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष साकेत मंगल ने कहा कि इतिहास देश ही नहीं बल्कि विश्व से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. दामोदर वासिष्ठ आरकेएसडी कॉलेज के संस्थापक टीचरों में से एक थे। युवाओं को जरूरत है कि आज उनके द्वारा दिखाये मार्ग पर चलें। इस मौके पर प्रिंसिपल संजय कुमार गोयल, नवनीत गोयल, प्रो. पीसी मित्तल, प्रो. बीडी गुप्ता, ब्रह्म कल्याण समिति के प्रधान रतन लाल शर्मा, चेयरमैन कृष्ण कौशिक, सोहन लाल गुप्ता आदि भी उपस्थित थे।

जबकि समारोह की अध्यक्षता आरकेएसडी कॉलेज के प्रधान साकेत मंगल ने की।

कुलपति डा. श्रेयांश द्विवेदी ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि शरीर और गुण में अंतर है। शरीर एक दिन नष्ट हो जाता है जबकि गुणों की पूजा होती है। गुणों के कारण ही डॉ. दामोदर वासिष्ठ को आज याद किया जा रहा है। इसी प्रकार विनम्रता से ही आप पात्र बनते हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सांस्कृतिक राजधानी है। इतिहास को बचाने के लिए इतिहास पुरुषों को याद करना पड़ेगा, जिस प्रकार हम आज श्रद्धेय दामोदर वासिष्ठ को याद कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रो. बीबी भारद्वाज द्वारा लिखी पुस्तक कपिस्थल का विमोचन भी किया गया।

VI । दैनिक जागरण पानीपत, 12 फरवरी 2017

लोक साहित्य के साथ चलता लोकतंत्र

जागरण संवाददाता, कैथल : हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला की ओर से जाट कॉलेज में आयोजित पुस्तक मेले के तीसरे दिन शनिवार को राष्ट्रीय चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका संचालन समिति के उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा व मनोज शर्मा ने किया।

हरियाणा ग्रंथ अकादमी के निर्देशक डॉ. विजय दत्त शर्मा ने आए हुए अतिथिगणों का स्वागत किया। इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज ने सभी का परिचय करवाया। अकादमी के डिप्टी चेयरमैन प्रो. विरेंद्र चौहान ने राष्ट्रवाद की परिकल्पना पर अपने विचार प्रकट किए। प्रो. चौहान ने कहा कि लोक साहित्य के साथ-साथ लोकतंत्र भी चलता है। लोक के बिना कोई भी समाज व देश अस्तित्व में नहीं रह सकता। स्वतंत्रता के पश्चात भी देश में बहुत सी पीड़ा शेष रह गई, जिन्हें दूर नहीं किया जा सका। स्वतंत्रता नाम की स्वतंत्रता बनकर रह गई। तंत्र नाम का तंत्र बनकर रह गया। आज वर्तमान सरकार ने शेष पीड़ा को दूर करने का प्रण लिया है। वर्तमान सरकार के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है।

डॉ. राघवेंद्र तंवर ने राष्ट्रवाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हेमचंद्र विक्रमादित्य 10 राष्ट्रवादी महापुरुषों में से एक थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद पर विवाद 1960 के दशक के बाद प्रारंभ हुआ। भारत का राष्ट्रवाद अन्य देशों के राष्ट्रवाद से भिन्न है। भारत में अनेक विभिन्नताओं के होते हुए भी हर जगह अपनापन महसूस किया जा सकता है। भारत का राष्ट्रवाद मौलिक व मानवीय है। नैतिकता भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है। डॉ. पूर्ण चंद शर्मा ने कहा कि हर साहित्य लोक साहित्य से उत्पन्न है। लोक ज्ञान से बड़ा कोई ज्ञान नहीं है। वेद, रामायण, महाभारत ये सभी लोक साहित्य का ही रूप है। पंडित लख्मी चंद का साहित्य वेदों का सार है। प्राचार्य अमृत सचदेवा ने कहा कि शिक्षा मूल्य आधारित होनी चाहिए। आकाशवाणी रोहतक के उद्घोषक संपूर्ण सिंह ने कहा कि पुस्तक मेले में जाना तीर्थ पर जाने के समान है। पुस्तकें संस्कार देती हैं।

हरियाणा ग्रंथ अकादमी की ओर से कराई गई चिंतन गोष्ठी में मंचासीन वक्ता ● जागरण

हरियाणा ग्रंथ अकादमी की ओर से जाट कॉलेज में आयोजित पुस्तक मेले के तीसरे दिन राष्ट्रीय चिंतन गोष्ठी का आयोजन

रोहतक, सोमवार, 28 मार्च, 2022
haribhoomi.com
कैथल

स्वतंत्रता संग्राम में कैथल की भूमिका पर सेमिनार

■ आंदोलन में संत परंपरा की रही अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

इतिहास संकलन समिति हरियाणा, कैथल इकाई के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में, 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान' के विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि सुनील चौधरी, प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं कोषाध्यक्ष आरवीएस, आरकेएसडी कॉलेज कैथल रहे। इसकी अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष एवं इतिहासकार रमेश धारीवाल ने की। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बीबी भारद्वाज ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कैथल के स्वतंत्रता सेनानीयों के योगदान को रेखांकित किया। काका राम, महाशय रामकिशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गुराम अग्रवाल, महाशय हंसराज, महाशय ब्रजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवीदयाल ठठेरा आदि के स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए प्रो. भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान पीढ़ी को इनकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। ये सभी स्वतंत्रता सेनानी न केवल जेल में रहे बल्कि इन्होंने स्वतन्त्रता के पश्चात पाकिस्तान से आए भारतीयों को पुनर्वास सम्बन्धी सहयोग भी दिया। इस अवसर पर देवीदयाल ठठेरा के पौत्र ओमप्रकाश को सम्मानित भी किया गया। मुख्यातिथि सुनील चौधरी ने इस बात पर खुशी जाहिर कि की वे महाशय ब्रजलाल के परिवार से हैं। उन्होंने इस तरह के आयोजन के लिए सदा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। सभा के अध्यक्ष प्रो रमेश धारीवाल ने कैथल इकाई के इस भव्य आयोजन के लिए प्रशंसा की एवं बधाई दी। उन्होंने अपने सम्भाषण में स्वतंत्रता आंदोलन में भारत की संत परम्परा के योगदान को स्पष्ट करते हुए विचार दिया कि निरन्तर चर्चा परिचर्चा के द्वारा स्वतंत्रता सेनानीयों के योगदान को सही स्थान दिया जा सकता है। इससे पहले इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। उसके पश्चात कैथल इकाई के प्रधान कमलेश शर्मा, उपप्रधान प्रो. अशोक अत्रि ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया एवं पुष्प मालाओं के साथ स्वागत किया।

कैथल। देवीदयाल ठठेरा के पौत्र औमप्रकाश को सम्मानित करते पदाधिकारी।

दैनिक सवेरा टाइम्स

'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान' विषय पर सैमीनार आयोजित

कैथल, 27 मार्च (प्रदीप हरित) : इतिहास संकलन समिति हरियाणा, कैथल ईकाई द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल का योगदान विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि उद्योगपति एवं कोषाध्यक्ष आरवीएस आरकेएसडी कॉलेज कैथल सुनील चौधरी रहे। इसकी अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष एवं इतिहासकार रमेश धारीवाल ने की। समिति के प्रान्त संगठन सचिव कुलदीप चंद, विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने अपने वक्तव्य में कैथल के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को रेखांकित किया। कमलेश शर्मा ने मंच संचालन किया। महाशय काका राम, महाशय राम किशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गु राम अग्रवाल, महाशय हंसराज, महाशय ब्रजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवी दयाल ठठेरा आदि के स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान को याद किया। प्रो. भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान पीढ़ी को इनकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए, ये सभी स्वतंत्रता सेनानी न केवल जेल में रहे बल्कि इन्होंने स्वतन्त्रता के पश्चात पाकिस्तान से आए भारतीयों को पुनर्वास सम्बन्धी सहयोग भी दिया। इस अवसर पर देवीदयाल ठठेरा के पौत्र ओमप्रकाश को सम्मानित भी किया गया। मुख्यातिथि सुनील चौधरी ने इस बात पर खुशी जाहिर कि की वे महाशय बृज लाल के परिवार से हैं। उन्होंने इस तरह के आयोजन के लिए सदा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। सभा के अध्यक्ष प्रो. रमेश धारीवाल ने कैथल ईकाई के इस भव्य आयोजन के लिए प्रशंसा की एवं बधाई दी। कैथल ईकाई के प्रधान कमलेश शर्मा, उपप्रधान प्रो. अशोक अत्रि ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया एवं पुष्प मालाओं के साथ स्वागत किया। मधु गोयल ने देशभक्ति गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया। कार्यक्रम के अंत में राजीव एवं कमल शर्मा ने भगत सिंह पर रागिनी गाकर कार्यक्रम को ऊंचाईयों तक पहुंचाया। इस अवसर पर प्रो. आशा, प्रो. संदीगिता, रिसाल जांगड़ा, साहित्य अकादमी से सम्मानित युवा लेखक ब्रजेश भारती, लख्मी चंद पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध कवि रामफल गौड़, प्रो. राजीव शर्मा सहित गणमान्य हिस्सा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए। (सतीश भराड़ा)

(कैथल केसरी)

राष्ट्रीय चिंतन गोष्ठी आयोजित

लोक साहित्य को सराहा

कैथल, 11 फरवरी (मित्तल): हरियाणा ग्रंथ अकादमी पंचकूला द्वारा जाट कालेज के प्रांगण में आयोजित किए जा रहे पुस्तक मेले के दौरान आज अकादमी द्वारा भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल के बैनर तले राष्ट्रीय चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का संचालन समिति के उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा व मनोज शर्मा द्वारा किया गया। हरियाणा ग्रंथ अकादमी के निर्देशक डा. विजय दत्त शर्मा ने आए हुए अतिथिगणों का स्वागत किया। समिति के प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने मंचासीन अतिथिगणों का संस्मरणात्मक परिचय करवाया। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डिप्टी चेयरमैन हरियाणा ग्रंथ अकादमी विरेंद्र चौहान ने राष्ट्रवाद की परिकल्पना पर अपने विचार प्रकट किए। चौहान ने कहा कि लोक साहित्य के साथ-साथ लोकतंत्र भी चलता है। लोक के बिना कोई भी समाज व देश अस्तित्व में नहीं रह सकता। स्वतंत्रता के पश्चात भी देश में बहुत सी पीड़ाएं शेष रह गईं जिन्हें दूर नहीं किया जा सका।

लौहरिया शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने पर सम्मानित करते अकादमी के पदाधिकारी। (सेला)

ये रहे मौजूद

गोष्ठी में समिति के प्रांतीय महासचिव डा. हरीश चंद झंडई, पं. लौहरिया राम, प्रो. प्रेमचंद मित्तल, के.के. सिलेही, प्राचार्य अनिल लाम्बा, डा. के.के. अग्रवाल, जाट शिक्षण संस्थान के प्रधान रणबीर मूल, नरेंद्र गुप्ता, कुलभूषण सिलेही, प्रो. संतोषिता शर्मा, प्रो. आशा, प्रो. ज्योति, प्रो. रेणुका, पूर्व शिक्षा अधिकारी एस.एस. गोपाल, डा. सुशील अग्रवाल वाइस चेयरमैन भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा, अशोक कौशिक, साहित्यकार डा. तेजिंद्र, रिसाल जांगड़ा, अमरीक सिंह, शिव शंकर पाहवा व विजयकुमार शर्मा सहित नगर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 16 जून, 2014 4

अंग्रेजों के जमाने के कानून प्रभावहीन, संशोधन की ज़रूरत

■ भारतीय इतिहास संकलन समिति की गोष्ठी में बोले वक्ता

कैथल में रविवार को संगोष्ठी में भाग लेते समिति के पदाधिकारी व अन्य। -हप्र

कैथल, 15 जून (हप्र)

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा आरकेएसडी कालेज प्रांगण में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में इतिहास विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद प्रो. बीबी भारद्वाज ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया। अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डा. हरिश्चंद्र झंडई ने की।

मदान, प्रो. आरके गुप्ता और डा. गुलाब सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। संगोष्ठी में डा. अशोक अत्री एवं डा. रोहतास जमदग्नि ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। संगोष्ठी के संचालन का उत्तरदायित्व निभाते हुए कमलेश शर्मा ने विषय का परिचय दिया।

मुख्य वक्ता डा. रोहतास जमदग्नि ने कहा कि कुछ कानून, जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं, प्रभावहीन हो चुके हैं। इन कानूनों को आज के संदर्भ में परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता है। डा. अशोक अत्री ने भारतीय संविधान को परिवर्तनशील संविधान बताया। उन्होंने देश की कुछ संवैधानिक समस्याओं का जिक्र करते हुए समय व जरूरत के अनुसार बदलावों की मांग की।

संगोष्ठी में ज्ञानचंद भग, डी.एस. भुगर, सतबीर जागलान, रिसाल जांगड़ा, प्रो. सतीश शर्मा, अनिल लाम्बा, डा. तेजिंद्र कोचक, हरीश मदान, डा. ओमप्रकाश बंसल व ब्रजभूषण बंसल आदि ने भी भाग लिया।

दैनिक भास्कर पानीपत, शनिवार 28 सितंबर, 2019 | 04

डॉ. सतीश मित्तल की याद में हुई श्रद्धांजलि सभा

कैथल | अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति जिला इकाई कैथल द्वारा ख्याति प्राप्त शिक्षाविद एवं इतिहासकार डॉ. सतीश चंद्र मित्तल की स्मृति में आरकेएसडी कॉलेज के अध्यापक कक्ष में श्रद्धांजलि सभा हुई। प्रेस सचिव डॉ. तेजिंद्र ने बताया कि डॉ. मित्तल ने आरकेएसडी कॉलेज कैथल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में इतिहास पढ़ाया। उन्होंने इतिहास विषय की दो दर्जन पुस्तकों की रचना करके भारत के लुप्त और गुप्त इतिहास को भारत और विश्व के सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। मौके पर प्रो. बीबी भारद्वाज, डॉ. अशोक अत्री, सोहनलाल, ज्ञानचंद भल्ला, कैलाश भगत, जसमेर सिंह बंदराना, हरमन चीका, धीरज कौशिक कुरुक्षेत्र, मधु गोयल, सुमन, प्रधानाचार्य अमृत सचदेवा व ईश्वर चंद गर्ग मौजूद रहे।

अमर उजाला शनिवार • 28.09.20
amarujala.com

इतिहासकार डा. सतीश चंद्र की पुण्यतिथि मनाई

कैथल। अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद एवं इतिहासकार डॉ सतीश चंद्र मित्तल की याद में आरकेएसडी कॉलेज के अध्यापक कक्ष में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। डॉ. मित्तल ने आरकेएस कालेज कैथल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इतिहास पढ़ाया। इस अवसर पर अशोक अत्रि, सोहन लाल गुप्ता, ज्ञान चंद भल्ला, कैलाश भगत, डॉ. तेजिंद्र, ज सिंह बंदराना, हरमन चीका, धीरज कौशिक कुरुक्षेत्र, मधु गोयल, सुमन, प्रधान अमृत सचदेवा, ईश्वर चंद गर्ग उपस्थित रहे।

अमर उजाला
चंडीगढ़, 28 मई 2012
My City

इतिहास संकलन समिति गांवों की मिट्टी से जुटाएगी इतिहास, इतिहासकारों ने बताईं रोचक बातें

कुओं, पेड़ों, कहानियों में छिपा इतिहास

नसीब सैनी

कैथल। हमारा इतिहास शिकागो या ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के बजाय हमारे गांव के पेड़, कुएं, फोर फादर की कहानियों, संस्कृति की निशानियों और सभ्यता की पहचान में छिपा है। इतिहास में इनकी अनदेखी हुई है। इस गलती को सुधारते हुए हम इनसे जानकारी प्राप्त लेकर इतिहास का संकलन करेंगे।

यह जानकारी भारतीय इतिहास संकलन समिति के अखिल भारतीय राष्ट्रीय संगठन सचिव

सोमनाथ मंदिर का दरवाजा लगा स्वर्ण मंदिर में

बाल मुकुंद पांडेय ने दी। कैथल में भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने आए पांडेय ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में इतिहास में हुई अनदेखी की पीड़ा को उजागर किया।

प्रदेश में छिपा ऐतिहासिक खजाना

इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डा. सतीश चंद्र मित्तल ने बताया कि हरियाणा के जर्रे-जर्रे में धार्मिक एवं युद्ध भूमि का ऐतिहासिक एवं पौराणिक खजाना छिपा है। यहां महाभारत, रामायण, वेद रचना, वेद व्यास, गीता रचना स्थली, स्वामी विवेकानंद कर्मस्थली, सैय्यद का आगमन, बौद्ध धर्म सहित अनेकों ऐतिहासिक हीरो एवं जीवनियों से जुड़े तथ्य हैं। संकलन समिति राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय चेतना एवं राष्ट्रीय गर्व के लिए इन तथ्यों को एकत्रित कर रही है।

इतिहास जानने पर होगा गर्व

उन्होंने कहा कि हम पीपल और तुलसी को देवता क्यों मानते हैं, गाय की पूजा क्यों करते हैं, कुओं की पूजा क्यों करते हैं आदि प्रश्नों का उत्तर खोज लें तो हमें हमारे गौरवशाली इतिहास का पता चल जाएगा। हमारे बच्चों को पता चलेगा कि 1026 में लूटे गए सोमनाथ मंदिर की लूट में काफी धन एवं सोना अफगानिस्तान चला गया था। सात सौ सालों के बाद 1806 में महाराजा रणजीत सिंह ने अफगानिस्तान पर हमला कर कोहिनूर हीरे के साथ सोमनाथ मंदिर के दरवाजे को वापस लिया था तो गर्व से उनका सीना चौड़ा नहीं हो जाएगा।

महाभारत की सामंतक मणि कोहिनूर हीरा

समिति के राष्ट्रीय संगठन सचिव बाल मुकुंद पांडेय का मानना है कि आज इंग्लैंड के म्यूजियम में लोगों के आकर्षण का केंद्र हमारा कोहिनूर हीरा महाभारत की सामंतक मणि है। उनके अनुसार महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने जामवंत से इस मणि को प्राप्त किया था। इसके बाद पृथ्वीराज चौहान, शाहजहां आदि राजाओं की मलकीयत रहते हुए पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह की मलकीयत हुई। बाद में अंगरेज इसे इंग्लैंड ले गए। वर्तमान में इसे हासिल करने के लिए इंग्लैंड की कोर्ट में केस चल रहा है।

अंग्रेजों के जमाने के प्रभावहीन कानूनों को अब बदलने का वक्त

आरकेएसडी कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

भास्कर न्यूज | कैथल

भारतीय इतिहास संकलन समिति के सदस्यों ने आरकेएसडी कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. बीबी भारद्वाज रहे और अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. हरिचंद्र झांडई ने की। डॉ. रोहताश जमदग्नि ने कहा कि कुछ प्रभावहीन कानून जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं। ऐसे कानून में बदलवा करने की जरूरत है। इन कानूनों को आज के संदर्भ में परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता है। पहले से अब परिस्थितियां काफी बदल गई है।

डॉ. अशोक अत्री ने भारतीय संविधान को परिवर्तनशील संविधान बताया। उन्होंने देश की कुछ संवैधानिक समस्याओं का जिक्र करते हुए समय व जरूरत के अनुसार बदलावों की मांग की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रासंगिकता सदा रहेगी। राजनीति शास्त्र के प्रो. आरके गुप्ता ने इन दोनों वक्ताओं के वक्तव्यों पर टिप्पणी की। संविधान में व्याप्त कमियों को दूर करने के सुझाव दिए। अध्यक्षीय टिप्पणी करते हुए डा. हरिश्चंद्र झांडई ने कहा कि संवैधानिक परिवर्तन करते समय राजनीतिक नेतृत्व में प्रबल इच्छाशक्ति व राजनीतिक बुद्धिमत्ता का होना आवश्यक है। संगोष्ठी में उपस्थित लोगों ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को शांत किया। इस अवसर पर कमलेश शर्मा, प्रो. एएल मदान, डॉ. गुलाब सिंह, ज्ञानचंद भल्ला, जीए भुल्लर, सतबीर जागलान, रिसाल जांगड़ा, प्रो. सतीश शर्मा, अनिल छाबड़ा, तेजिंद्र, हरीश मदान, डॉ. ओमप्रकाश बंसल व चतरभुज बंसल उपस्थित रहे।

आरकेएसडी कालेज में आयोजित साहित्य सभा की बैठक में उपस्थित कविगण।

दैनिक भास्कर कैथल अम्बाला महानगर, रविवार 5 फरवरी, 2017 | 3

पुस्तक मेला

तीसरे दिन चिंतन संगोष्ठी का आयोजन किया गया, कॉलेजों के छात्राओं ने खूब की खरीदारी

300 पुस्तकों में बताया गया हरियाणा का लोक साहित्य

भास्कर न्यूज | कैथल

जाट कॉलेज में हरियाणा ग्रंथ अकादमी द्वारा लगाए गए पुस्तक मेले के तीसरे दिन चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि रामकेंद्र तंवर व भाजपा के नेता देवेंद्र चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गोष्ठी का संचालन समिति के उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा व मनोज शर्मा ने किया। हरियाणा ग्रंथ अकादमी के निदेशक डॉ. विजय दत्त शर्मा, प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज, डिप्टी चेयरमैन हरियाणा ग्रंथ अकादमी वीरेंद्र चौहान ने राष्ट्रवाद की परिकल्पना पर अपने विचार प्रकट किए।

कैथल में यह पहला मेला ग्रंथ अकादमी द्वारा लगाया गया मेला है। पुस्तक मेले के माध्यम से हरियाणा की संस्कृति से युवाओं को रूबरू करवाना ही अकादमी का प्रमुख लक्ष्य है।

कार्यक्रम में कॉलेज व स्कूलों के बच्चों सहित शहर के बड़े-बड़े रचनाकारों ने भी विभिन्न साहित्यकारों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को खूब खरीदी। मेले में आईजी कॉलेज, जाट कॉलेज, सरस्वती स्कूल व आरकेएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने पुस्तकों की खरीददारी की। पुस्तक मेले में 20 से 22 पुस्तक प्रकाशक पहुंचे। उन्होंने अपनी-अपनी पुस्तकों के माध्यम से हरियाणा की संस्कृति को लोगों के सामने दिखाया।

स्टालों के संचालक दिनेश कुमार पराशर ने बताया कि अकादमी अब तक 463 शीर्षकों की पुस्तक प्रकाशित कर चुकी है। इसमें से 300 से ज्यादा शीर्षक साहित्य समालोचना व हरियाणा के लोक साहित्य पर आधारित हैं। सबसे ज्यादा हरियाणवी पुस्तकों में पंडित लख्मीचंद सूर्य कवि मांगेराम, हरियाणवी कलाकार की पुस्तकों को लेकर लोगों में काफी रुचि दिखाई दे रही है। स्कूली विद्यार्थियों ने भी मेले में पंचतंत्र की कहानियां और दादी नानी की कहानियां जैसी पुस्तकों की खरीदारी की है। साहित्य में दिलचस्पी रखने वाले लोगों ने भारतीय काव्यशास्त्र, शोध पत्र लेखन पत्रकारिता में जैसी पुस्तकों को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ग्राहकों ने अकादमी द्वारा लगाए गए पुस्तक मेले के प्रयास को सराहनीय की है।

ये रहे गोष्ठी में मौजूद : गोष्ठी में समिति के प्रांतीय महासचिव डॉ. हरीश चंद्र झंडई, पं. नौहरिया राम, प्रो. प्रेमचंद मित्तल, केके सिरोही, प्राचार्य अनिल छाबड़ा, डॉ. केकेअग्रवाल, जाट शिक्षण संस्थान के प्रधान रणबीर ढुल, नरेंद्र गुप्ता, प्रगतिशील किसान कुशलपाल सिरोही, प्रो. संयोगिता शर्मा, प्रो. आशा, प्रो. ज्योति, प्रो. रेणुका, पूर्व शिक्षा अधिकारी एसएस गोयल, डॉ. मुकेश अग्रवाल वाइस चेयरमैन भारतीय रेडक्रास सोसायटी हरियाणा, अरविंद कौशिक, साहित्यकार डॉ. तेजिंद्र, रिसाल जांगड़ा, अमरीक सिंह, शिव शंकर पाहवा व विजयकृष्ण राठी मौजूद रहे।

कैथल| जाट कॉलेज में लगाए गए पुस्तक मेले में मंच पर बैठे मुख्यातिथि व पुस्तक मेले में पुस्तकें पसंद करती हुई महिलाएं।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, बुधवार, 18 फरवरी, 2015

संविधान की धारा 370 पर संगोष्ठी आयोजित

कैथल (एस) : भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई की संगोष्ठी का आयोजन आरकेएसडी कॉलेज के प्रांगण में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय मार्गदर्शक डा. हरीशचन्द्र झंडई ने किया। जबकि समिति के प्रान्त अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज ने संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। संचालन इतिहासकार कमलेश शर्मा ने किया। संगोष्ठी में प्रो. अशोक अत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कहा कि धारा 370 एक मुखौटा है। इसमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से काफी परिवर्तन हो चुके हैं। धारा 370 के कारण काफी समस्याएं हैं। फिर भी इसे आक्रमक रूप से हटाया जाना राष्ट्र हित में नहीं है। विशिष्ट अतिथि प्रो. बीबी भारद्वाज ने धारा 370 विषय पर शोधपरक जानकारी दी। डा. हरीशचन्द्र झंडई ने कहा कि सशक्त राजनीतिक इच्छा शक्ति से धारा 370 को अप्रासंगिक बनाया जा सकता है। संगोष्ठी में प्राचार्य अनिल छाबड़ा, अमृत सचदेवा, प्रो. सतीश शर्मा, हकीम चतरभुज बंसल, प्रो. सूबे सिंह राविश, इतिहासकार कमलेश शर्मा, डा. तेजेन्द्र आदि ने सवाल भी पूछे।

दैनिक भास्कर

अम्बाला महानगर, बुधवार 18 फरवरी, 2015 | 4

समिति ने कराई धारा 370 पर संगोष्ठी

कैथल| भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई की संगोष्ठी का आयोजन आरकेएसडी कॉलेज के प्रांगण में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय मार्गदर्शक डॉ. हरीशचंद्र झंडई ने किया। समिति के प्रांत अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज ने संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। संचालन इतिहासकार कमलेश शर्मा ने किया। संगोष्ठी में प्रो. अशोक अत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए धारा 370 की पृष्ट भूमि, परिचय, धारा 370 के लगाए जाने के कारणों, धारा 370 के पक्ष-विपक्ष में तर्क वितर्क के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इसके प्रभाव व वर्तमान में प्रासंगिकता पर व्यापक रूप से प्रकाश डालते हुए अपना मत प्रस्तुत किया। धारा 370 एक मुखौटा है। इसमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से काफी परिवर्तन हो चुके हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. बीबी भारद्वाज ने भारतीय स्वतंत्रता के पूर्व व बाद की परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए धारा 370 विषय पर शोध परक जानकारियां दीं व उपस्थित जनों की जिज्ञासा को शांत किया।

पंजाब केसरी

रविवार SUNDAY 3 फरवरी 2013

एक नजर

बच्चों को संबोधित करते मुख्यातिथि। (रमेश)

स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला

कैथल, 2 फरवरी (ब्यूरो): राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाड़ला में आज एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य पवन कुमार मित्तल तथा कार्यक्रम अधिकारी पवन जुनेजा ने बताया कि इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष हरीश झंडई तथा प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नरेंद्र नाथ दत्त नामक युवक अपनी योग्यता और परिश्रम के बलबूते पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। इस अवसर पर विकास शर्मा, पंकस खोसला, ओमप्रकाश शास्त्री, सतीश कुमार, श्रीपाल, हवा सिंह, नीरू, मंजू व कमलेश सहित स्टाफ के अनेक सदस्य मौजूद थे।

स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह कल

कैथल, 21 मार्च (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल द्वारा स्थानीय आई.जी. पब्लिक स्कूल में 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए समिति के प्रांत सचिव डा. तेजिंद्र ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश बहादुर खुरानिया प्रधान आई.जी. स्कूल प्रबंधक समिति करेंगे जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समारोह में नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, भाजपा नेत्री शैली मुंजाल और यशपाल चौधरी समाजसेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह में प्रो. बी.बी. भारद्वाज प्रांत अध्यक्ष समिति मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे और डा. हरीश झंडई समारोह में बीज वक्तव्य देंगे।

दैनिक ट्रिब्यून

अमर उजाला 22 मार्च 2017

स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन कल

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा 23 मार्च को आईजी पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति के प्रांतीय सचिव डा तेजिंद्र ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश बहादुर खुरानियां प्रधान आईजी स्कूल प्रबंधक समिति करेंगे, जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समारोह में नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, भाजपा नेत्री शैली मुंजाल और यशपाल चौधरी समाजसेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह में प्रो बीबी भारद्वाज प्रांत अध्यक्ष समिति मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहेंगे। डा हरीश झंडई समारोह में बीज वक्तव्य देंगे।

पानीपत, 11 मई 2015 दैनिक जागरण | 19

हर युग में आजादी के लिए होती है लड़ाई : भारती

जागरण संवाददाता, कैथल : भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई ने आरकेएसडी कॉलेज में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया। जिसमें हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। उद्योगपति एवं समाजसेवी राधेश्याम मलिकपुरिया विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का मार्गदर्शन डा. हरीश झंडई तथा अध्यक्षता समाजसेवी धर्मपाल शर्मा ने की।

मुख्यअतिथि भारत भूषण भारती ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति आजाद रहना है। हर युग में आजादी के लिए लड़ाइयां होती रही है। आज भी हमारे अंदर किसी न किसी रूप में गुलामी की प्रवृत्ति विद्यमान है। हमें जीवन में एक बार जलियांवाला बाग अमृतसर व अंडमान निकोबार की सिक्युलर जेल के दर्शन अवश्य करने चाहिए, ताकि हमें स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिये गए बलिदानों का एहसास हो सके। हमें आजादी की लौ को अपने दिलों में जलाए रखना चाहिए।

---

11 मई 2015

दैनिक भास्कर

शहीदों की याद में नमन के लिए झुके मस्तक

कैथल| भारतीय इतिहास संकलन समिति की कैथल इकाई द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी धर्मपाल शर्मा ने की व समाजसेवी राधेश्याम मलिकपुरिया बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल रहे। मंच संचालन कमलेश शर्मा व रोहताश जमदग्नि ने किया। समारोह में विजय कृष्ण राठी ने भारत के गौरवमयी अतीत का वर्णन किया। समिति के सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित जानकारी दी व शहीदों को प्रणाम किया।

मार्च 25, 2017 शनिवार अमर उजाला

कविताओं के माध्यम से आजादी के दीवानों को किया नमन

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल।

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा शुक्रवार को आईजी पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि के रुप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजी स्कूल के प्रधान जगदीश बहादुर खुरानिया ने की। कार्यक्रम में नगर परिषद के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैली मुंजाल एवं सेवानिवृत्त एक्सईएन यशपाल चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रुप में भाग लिया। सम्मान-समारोह का संचालन समिति के प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया। समिति के प्रांत अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज ने जिला से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों शहीद महाशय काका राम, महाशय बृजलाल चौधरी एवं नराता राम भल्ला के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके वंशजों का कार्यक्रम में आने पर स्वागत किया।

समारोह में शहीद महाशय काका राम की प्रपौत्री डा. विनय सिंह को, महाशय बृजलाल चौधरी के बेटे सत्यदेव चौधरी, सुनील चौधरी व डा. नरेंद्र चौधरी को एवं नराता राम भल्ला के पौत्र सुभाष भल्ला को सम्मानित किया गया।

समारोह में समिति के प्रांत मार्गदर्शक डा. हरीश झंडई ने अपने वक्तत्व व कविता के माध्यम से आजादी के दीवानों को नमन किया। प्रो. दीप शिखा ने एक कविता के माध्यम से आजादी के दिनों को याद किया। मुख्यातिथि राव सुरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि समिति द्वारा अज्ञात शहीदों को प्रकाश में लाना सराहनीय प्रयास है।

कार्यक्रम में अनिल छाबड़ा मार्गदर्शक, अमृत सचदेवा मार्गदर्शक, प्रो. संयोगिता शर्मा महिला प्रमुख, डा. अशोक अत्री उपाध्यक्ष, डा. आशा रानी उपाध्यक्ष, ज्ञानचंद भल्ला महासचिव, सोहन लाल गुप्ता संगठन सचिव, डा. तेजिंद्र प्रांत प्रेस सचिव, सुमन राणा, प्रो. रेणू कंसल, प्रो. सपना राय, रिसर्च स्कालर जसमेर सिंह, हरमनदीप सिंह, रजनी दहिया व रिसाल जांगड़ा सहित नगर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

इतिहास संकलन ने शहीदी दिवस मनाया

कैथल | इंदिरा गांधी पब्लिक स्कूल में भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से शहीदी दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्षता जगदीश बहादुर खुरानिया ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता राव सुरेंद्र सिंह ने मूर्ति पर फूल अर्पित कर शिरकत की। विशिष्ट अतिथि नगरपरिषद चेयरमैन यशपाल प्रजापति रहे। काका राम, विजय सिंगला व सत्यदेव चौधरी को सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष प्रो. बीबी भारद्वाज ने स्वतंत्रता सेनानियों बारे विस्तार से बताया। डॉ. नरेंद्र चौधरी, गुलशन वालिया, सपना कुमारी, सुरेंद्र तंवर, वीना अग्रवाल उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
शनिवार SATURDAY 26 मई 2012

इतिहास संकलन समिति का प्रतिनिधि सम्मेलन कल

कैथल, 25 मई (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति, हरियाणा का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन कल आर.के.एस.डी. कालेज में आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए समिति के जिलाध्यक्ष कमलेश शर्मा एवं सदस्य, जिला इतिहास संकलन समिति तेजिंद्र ने बताया कि सम्मेलन की अध्यक्षता आर.एस. खर्ब, मुख्य प्रशासक आवास बोर्ड, हरियाणा करेंगे। इस अवसर पर डा. सतीश चंद मित्तल, राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे तथा बाल मुकुंद पांडेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे।

आज समाज
अंबाला/चंडीगढ़, शुक्रवार, 25 मई 2012

आरकेएसडी में सम्मेलन 27 को

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन 27 मई को आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में भारतीय इतिहास में विसंगतियों व भारतीयों में राष्ट्रीयता विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। पुराणों में इतिहास व कपिस्थल : अतीत के झरोखे से वर्तमान की दहलीज तक दो पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा। समिति के जिलाध्यक्ष कमलेश शर्मा व जिला इतिहास संकलन समिति सदस्य तेजिंद्र ने बताया कि सम्मेलन में मुख्यातिथि अखिल भारतीय संकलन योजना के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डा. सतीश चंद्र मित्तल, अध्यक्षता आवास बोर्ड के मुख्य प्रशासक (आईएएस) आरएस खरब करेंगे। अखिल भारतीय संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव बाल मुकुंद पांडेय मुख्य वक्ता और अखिल भारतीय संकलन योजना के राष्ट्रीय सह सचिव शेर सिंह भी हिस्सा लेंगे।

25 मई 2012
दैनिक भास्कर

इतिहास संकलन समिति का सम्मेलन 27 को

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन 27 मई को आरकेएसडी कॉलेज में होगा। संयोजक कमलेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्यातिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डा. सतीश चंद्र मित्तल और अध्यक्षता मुख्य प्रशासक आवास बोर्ड आरएस खरब करेंगे।

दैनिक जागरण पानीपत, 25 मई 2012

संकलन समिति का सम्मेलन 27 को

कैथल : भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन 27 मई को आर के एस डी कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए समिति के जिलाध्यक्ष एवं अधिवेशन के कार्यक्रम संयोजक कमलेश शर्मा एवं सदस्य जिला इतिहास संकलन समिति जितेन्द्र ने बताया कि सम्मेलन की अध्यक्षता आर एस खरब आइएएस मुख्य प्रशासक आवास बोर्ड हरियाणा करेंगे।

रोहतक, सोमवार, 16 जून 2014 कैथल | हरिभूमि 12

संगोष्ठी | भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

कानून में संशोधन की वकालत

हरिभूमि न्यूज कैथल

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा स्थानीय आर.के.एस.डी. कालेज के प्रांगण में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में इतिहास विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद् प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डा. हरिश्चंद्र झंडई ने की। इस अवसर पर पर प्रो. ए.एल.मदान, प्रो.आर.के.गुप्ता और डा. गुलाब सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। संगोष्ठी में डा. अशोक अत्री एवं डा. रोहतास जमदग्नि ने वक्ता के रूप में भाग लिया। संगोष्ठी के संचालन का उत्तरदायित्व निभाते हुए कमलेश शर्मा ने विषय का परिचय दिया। अपने वक्तव्य में डा. रोहतास जमदग्नि ने कहा कि कुछ कानून जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं, प्रभावहीन हो चुके हैं। इन कानूनों को आज के संदर्भ में परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता है। डा. अशोक अत्री ने भारतीय संविधान को परिवर्तनशील संविधान बताया। राजनीति शास्त्र के प्रो. आर.के.गुप्ता ने इन दोनों वक्ताओं के वक्तव्यों पर टिप्पणी की और संविधान में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिए सुझाव दिए। अध्यक्षीय टिप्पणी करते हुए डा. हरिश्चन्द्र झंडई ने कहा कि संवैधानिक परिवर्तन करते समय राजनीतिक नेतृत्व में प्रबल इच्छा शक्ति व राजनीतिक बुद्धिमत्ता का होना आवश्यक है। संगोष्ठी में ज्ञानचंद भल्ला, जी.एस.भुल्लर, सतबीर जागलान, रिसाल जागड़ा, प्रो. सतीश शर्मा, अनिल छाबड़ा, डा. तेजिंद्र कथोड़क, हरीश मदान, डा. ओमप्रकाश बंसल व चतरभुज बंसल आदि ने भाग लिया।

कैथल। संगोष्ठी में भाग लेते हुए समिति के पदाधिकारी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

सोमवार MONDAY 28 मई 2012 कैथल-कुरुक्षेत्र केसरी

भारतीय इतिहास के संकलन की आवश्यकता : पांडेय

■ प्रदेश की विशाल धरोहर व संस्कृति पर किया विचार-विमर्श

कैथल, 27 मई (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति, हरियाणा द्वारा प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन एवं ग्रंथ-लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन आर.के.एस.डी. कालेज के सैमीनार कक्ष में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष डा. सतीश चंद्र मित्तल ने अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के संरक्षक ज्ञानेश्वर खुराना मुख्यातिथि व प्रसिद्ध इतिहासकार डा. हिम्मत सिंह सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारतीय इतिहास संकलन समिति के जिलाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया। सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप-प्रज्वलन के साथ हुआ। बाल मुकुंद पांडेय ने कहा कि भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता नहीं अपितु संकलन की आवश्यकता है। उन्होंने इतिहास-संकलन में मोरोपंत पिंगले के योगदान का वर्णन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में सरस्वती शोध संस्थानों की गतिविधियों एवं आर्यों के मूल स्थान के विषय में प्रकाश में आए नवीन तथ्यों की चर्चा की। मुख्यातिथि डा. सतीश चंद्र मित्तल ने हरियाणा की विशाल धरोहर व संस्कृति की चर्चा करते हुए कैथल क्षेत्र का स्वामी विवेकानंद के गुरु स्वामी रामकृष्ण परम हंस के गुरु संत तोतापुरी के बारे में बताया। ज्ञानेश्वर खुराना ने कहा कि ब्रिटिश इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास को अतीत से निकालने का कार्य किया। उन्होंने मोहन जोदड़ो-हड़प्पा सहित विभिन्न स्थानों की खुदाई कर भारतीय इतिहास को प्रामाणिक किया। डा. हिम्मत सिंह सिन्हा ने कहा कि अतीत में भारतीय इतिहास विकृत हुआ है। कालगणना को बिगाड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष डा. हरीशचंद्र झंडई ने कहा कि इतिहास तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। कार्यक्रम में विजय कृष्ण राठी व डा. चतुर्भुज बंसल ने ऐतिहासिक कविताएं प्रस्तुत कर उपस्थित जनों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डा. रवी सिंह, डा. विनय सिंघल, श्रीराम बुधुनू, धर्मपाल शास्त्री, प्रो. अनिल व कपूर चंद अग्रवाल को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुलदीप, शेर सिंह, डा. तेजिंद्र, ज्ञान चंद भल्ला, प्रो. बी.बी. भारद्वाज, रिसाल जागड़ा, रविंद्र कुमार रवि, रामफल गौड़, भान सिंह, संजीव चावला व अमृत सचदेवा सहित काफी संख्या में इतिहास से जुड़े व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रतिनिधि सम्मेलन में मंच पर बैठे अतिथि। (छाया)

---

20 | दैनिक जागरण पानीपत, 29 मार्च 2015

आयोजन : भारतीय इतिहास संकलन समिति की इकाई ने बताया महत्व

आगे बढ़ने की प्रेरणा देता इतिहास

जागरण संवाददाता, कैथल : भारतीय इतिहास संकलन समिति की जिला इकाई ने आरकेएसडी कॉलेज में शनिवार को इतिहास दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी साकेत मंगल ने की।

इंद्रेश ने कहा कि अच्छा इतिहास आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बुरा इतिहास गलतियों से सीख ग्रहण करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने पृथ्वी के जन्म से लेकर उसके मानव के जीवन योग्य बनने की स्थिति में आने तक की परिस्थितियों का वर्णन किया। नव संवत के महत्व एवं नवसंवत्सर से जुड़े व्यक्तियों एवं घटनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अतीत से कटा व्यक्ति वर्तमान से नहीं जुड़ सकता और भविष्य की योजना नहीं बना सकता। इसलिए हमें आज अपने अतीत से अपने इतिहास से जुड़े रहने की आवश्यकता है। अंग्रेजों द्वारा भारतीयों को उनके इतिहास से काटा गया। विदेशी आक्रमणकारियों के शासन के दौरान भारतीय शिक्षक उद्योगों, शिल्पकलाओं, चिकित्सा, पद्धतियों व धर्म को काफी हानि हुई। उन्होंने महिलाओं से जुड़े विषयों जैसे कन्या भ्रूण हत्या, दहेज,यौन शोषण एवं उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, व महिलाओं पर हो रहे अपराधों व अत्याचारों की चर्चा की। महिलाओं से मां बहन व बेटी जैसे रिश्ते जोड़कर उन्हें उचित सम्मान देने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि हमें बेटी का जन्म व जन्म दिन मनाने का, कम से कम एक अनुसूचित जाति की बेटी का कन्यादान करना, एक बच्चे को शिक्षित करना, मन मंदिर व जलाशय आदि को छुआछूत से मुक्त करने, जन्म दिन व वर्षगांठ आदि पर पौधारोपण करना, रक्तदान करना, गरीबों के सानिध्य में त्यौहार मनाने को उन्हें उपहार देने का वैश्विक चिंतन और स्थानीय कार्य करने की प्रवृति को जीवन में ढालने का संकल्प लेना चाहिए। समारोह में समाज सेवी सुनील चौधरी, कालेज प्राचार्या डॉ. जेपी कौर, डॉ. रोहतास जमदग्नि, समिति के प्रांतीय अध्यक्ष प्रो. बी बी भारद्वाज, डॉ. हरीश झंडई प्रो. संयोगिता, अशोक अत्री आदि ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार।

---

29 मार्च 2015

कैथल केसरी

कार्यक्रम में मौजूद मुख्यातिथि व अन्य। (रमेश)

अंग्रेजों ने इतिहास को गलत तरीके से किया पेश : इंद्रेश

कैथल, 28 मार्च (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा के सौजन्य से आर.के.एस.डी. कालेज में इतिहास दिवस समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साकेत मंगल ने की। मुख्यातिथि के रूप में आए आर.एस.एस नेता इंद्रेश ने कहा कि इतिहास का मतलब सीधा भूतकाल से जुड़ना है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम आक्रमणकारी भारतीय संस्कृति को नष्ट नहीं कर पाए लेकिन अंग्रेजों ने इसे समझा और इतिहास को ही गलत तरीके से प्रस्तुत किया। हमारी संस्कृति के खिलाफ एक साजिश रची गई। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष बी.बी. भारद्वाज, हरीश झंडई, कुलदीप चंद, सुनील चौधरी, सुरेश नीच व शेर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पंजाब केसरी 7 अक्तूबर 2014

IV www.punjabkesari.in

प्रो. बी.बी. भारद्वाज बने भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा के प्रांत अध्यक्ष

कैथल, 6 अक्तूबर (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की नई प्रांत कार्यकारिणी में कैथल को भी प्रतिनिधित्व मिला। गत दिवस कुरुक्षेत्र के योग सदन, गीता निकेतन आवासीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समिति के प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन में रिटर्निंग ऑफिसर शेर सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय संकलन योजना नई दिल्ली की देख-रेख में नई प्रांत कार्यकारिणी का गठन किया गया।

सम्मेलन में हरियाणा प्रांत की नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद के लिए डा. सुभाष चंद्र रिवाड़ी ने कैथल के प्रो. बी.बी. भारद्वाज के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका कैथल के प्रो. अशोक अत्री, डा. विनय सिंघल एवं डा. रोहतास जमदग्नि ने अनुमोदन किया। इसके पश्चात सर्वसम्मति से प्रो. बी.बी. भारद्वाज को भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की नई प्रांत कार्यकारिणी का अध्यक्ष चुन लिया गया। नई प्रांत कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 मार्च 2017 तक रहेगा। नई कार्यकारिणी में कैथल से डा. हरीश चंद्र झंडई को मार्गदर्शक, कमलेश शर्मा को उपाध्यक्ष, डा. विनय सिंघल को प्रांत महिला प्रमुख और डा. तेजिंद्र को प्रांत प्रैस सचिव बनाया गया। कैथल से प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने वालों में भान सिंह, ज्ञानचंद भल्ला, डा. आशा शर्मा, प्रो. सतीश शर्मा, सोहन लाल गुप्ता, अनिल छाबड़ा व प्राचार्य अमृतलाल सचदेवा आदि शामिल थे।

रोहतक, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2014

कैथल-अन्य हरिभूमि

भारतीय इतिहास संकलन समिति की नई कार्यकारिणी गठित

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रेस सचिव डा. तेजिंद्र ने बताया कि समिति की हरियाणा कार्यकारिणी में कैथल को विशेष प्रतिनिधित्व मिला है। 5 अक्टूबर को कुरुक्षेत्र के योग सदन गीता निकेतन आवासीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समिति के प्रांतीय प्रतिनिधि सम्मेलन में रिटर्निंग अधिकारी शेरसिंह की देखरेख में प्रांत की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। हरियाणा प्रांत की नई कार्यकारिणी के लिए सर्वसम्मति से कैथल के बीबी भारद्वाज को समिति की नई प्रांतीय कार्यकारिणी का अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी का समय 31 मार्च 2017 तक होगा। इस मौके पर हरीशचंद्र, कमलेश शर्मा, ज्ञानचंद भल्ला, आशा शर्मा, सोहन लाल गुप्ता, अनिल छाबड़ा व अन्य मौजूद रहे।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, रविवार, 3 फरवरी, 2013

स्वामी विवेकानंद की जन्मशती के उपलक्ष्य में कैंप आयोजित

[illegible]

दैनिक जागरण पानीपत, 7 अक्टूबर 2014

इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष बने भारद्वाज

जासं. कैथल : भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की नई कार्यकारिणी की नई प्रांत कार्यकारिणी में कैथल को भी प्रतिनिधित्व मिला है। 5 अक्टूबर को कुरुक्षेत्र में योग सदन, गीता निकेतन आवासीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समिति के प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन में चुनाव अधिकारी शेर सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय संकलन योजना नई दिल्ली की देख रेख में नई प्रांत कार्यकारिणी का गठन किया गया।

सम्मेलन में हरियाणा प्रांत की नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद के लिए डॉ. सुभाष चन्द रिवाड़ी ने कैथल के प्रो. बी बी भारद्वाज के नाम का प्रस्ताव रखा। इसमें कैथल के अशोक अत्री, डॉ. विनय सिंघल एवं डॉ. रोहतास जमदग्नि ने अनुमोदन किया। इसके पश्चात सर्व सम्मति से प्रो. बी बी भारद्वाज को भारतीय को भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की नई कार्यकारिणी का अध्यक्ष चुन लिया गया। इस कार्यकारिणी का समय 31 मार्च 2017 तक रहेगा। नई कार्यकारिणी में कैथल से डॉ. हरीश चन्द्र झंडई को मार्ग दर्शक, कमलेश शर्मा को उपाध्यक्ष, डॉ. विनय सिंघल को प्रांत महिला प्रमुख और डॉ. तेजिन्द्र को प्रांत प्रेस सचिव बनाया गया है।

दैनिक भास्कर

अम्बाला, मंगलवार, 7 अक्टूबर, 2014 17

प्रोफेसर बीबी भारद्वाज प्रदेशाध्यक्ष बने

कैथल | भारतीय इतिहास संकलन समिति के सदस्यों की बैठक कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष शेर सिंह की अध्यक्षता में हुई। डॉ. सुभाष चंद्र रिवाड़ी ने कैथल के प्रो. बीबी भारद्वाज के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका प्रोफेसर अशोक अत्री, डॉ. विनय सिंगल व ,डॉ. रोहताश जगदग्नि ने अनुमोदन किया। इसके बाद सर्वसम्मति से प्रोफेसर बीबी भारद्वाज को भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की नई कार्यकारिणी का अध्यक्ष बनाया। नई कार्यकारिणी का समय 21 मार्च 2017 तक रहेगी। इसके अलावा डॉ. हरीश चंद्र झंडई को मार्गदर्शक, कमलेश शर्मा उपाध्यक्ष, डॉ. विनय सिंगल प्रांत महिला प्रमुख और डॉ. तेजिंद्र प्रेस सचिव बनाए गए। इस अवसर पर भान सिंह, ज्ञानचंद भल्ला, डॉ. आशा शर्मा, प्रो. सतीश शर्मा, सोहन लाल गुप्ता, अनिल छाबड़ा और अमृतलाल सचदेवा उपस्थित रहे।

अमर उजाला

चंडीगढ़ मंगलवार 9 दिसंबर 2014

प्रांतीय बैठक में साहित्यकारों ने लिया भाग

कैथल (ब्यूरो)। जिले के साहित्यकारों ने भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जींद के अन्नक्षेत्र धर्मशाला में आयोजित त्रैमासिक प्रांत बैठक में भाग लिया। जिसमें प्रोफेसर बीबी भारद्वाज प्रांत अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में डा. हरीश झंडई, कमलेश शर्मा व तेजिन्द्र ने भाग लिया। बैठक में प्रो. बीबी भारद्वाज ने क्षेत्र के विद्वानों और कार्यकर्ताओं को समिति से जोड़ने का आह्वान किया। इतिहासकार कमलेश शर्मा ने कहा कि जिस किसी की इतिहास में रुचि हो और वह समर्पण व से इतिहास संकलन समिति के लिए काम करना चाहता है, उसे समिति से जोड़ा जाना चाहिए।

रोहतक, गुरुवार 11 मई 2017
haribhoomi.com

स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन

कैथल। हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सेमीनार को संबोधित करते वक्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

- स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए भारतीयों द्वारा किया गया संघर्ष सबसे महान था: भारद्वाज

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल द्वारा हिंदू कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अंबाला रोड कैथल में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी डा. शशीपाल सेठ ने की। समारोह में नप के चेयरमैन यशपाल , आरकेएसडी से सेवानिवृत प्रो. बिंदलिश, उद्योगपति एवं समाजसेवी भूपेंद्र व पीयूष ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह का संचालन समिति के प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया। समारोह का शुभारंभ अतिथिगणों के स्वागत, अभिनदन बार कविता पढ़कर उपस्थितजनों में देश भक्ति की भावना का संचार कर दिया। समिति के प्रांत मार्गदर्शक डा. हरीश झंडई ने विषय-प्रवेश करते हुए 10 मई 1857 ई. के दिन को ब्रिटिश साम्रा य को चुनौती देने वाला दिन बताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर भारतीयों ने विदेशी आक्रांताओं को चुनौती दी। प्रो. सपना राय ने कविता प्रस्तुत की। डा. आशा ने अपने संबोधन में 1857 ई. के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक आकसमिक घटना नहीं थी। उन्होंने 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा के लोगों की भूमिका को रेखांकित किया। कमारी साक्षी ने

'इतिहास के प्रति अरुचि दूर करें'

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से आरकेएसडी कालेज में डा. ज्ञानेश्वर खुराना की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न वक्ताओं ने इतिहास पर व्याख्यान दिए। कार्यशाला का शुभारंभ कुलदीप चंद द्वारा गायत्री मंत्र के जाप से किया गया। मुख्य वक्ता सेवा प्रो. बीबी भारद्वाज ने कहा कि ज्ञान को बढ़ाने के लिए इतिहास की जानकारी होना बेहद जरूरी है। वर्तमान में छात्रों में इतिहास के प्रति अरुचि बढ़ती जा रही है, जिसे दूर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में जयप्रकाश नारायण की भूमिका पर प्रकाश डाला और आह्वान किया कि वे इतिहास में गायब हो चुके तथ्यों की पड़ताल करें। उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री शेर सिंह ने भारतीय इतिहास संकलन समिति की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। ऋषिपाल शर्मा ने पाठ्य पुस्तकों की विसंगतियों की जानकारी दी और उनके निराकरण के बारे में बताया। साहित्यकार एवं इतिहासविद कमलेश शर्मा ने इस कार्यशाला का संचालन किया। अन्य वक्ताओं में बीआर बांबा, गोपीचंद, प्रो. एससी सिंघल, डा. हरीश झंडई, ज्ञानचंद भाला, अनिल भी शामिल थे।

कैथल केसरी
सोमवार MONDAY 2 अगस्त, 2010

भारतीय इतिहास संकलन समिति की कार्यशाला संपन्न

कैथल,1 अगस्त (मित्तल) : भारतीय इतिहास संकलन समिति की कार्यशाला जिला कैथल इकाई के सौजन्य से आर.के.एस.डी. कालेज में डा. ज्ञानेश्वर खुराना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें कुरुक्षेत्र, जींद, हिसार एवं कैथल के समिति-प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन साहित्यकार एवं इतिहासविद् कमलेश शर्मा ने किया। कार्यशाला का शुभारंभ कुलदीप चंद द्वारा गायत्री मंत्र के जाप से किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवत्त इतिहास प्राध्यापक प्रो. बी.बी.भारद्वाज ने कहा कि शासन को सुचारू रूप से चलाने के लिए शासकों को इतिहास का ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने छात्रों में इतिहास के प्रति बढ़ रही अरुचि के कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संघर्ष में जय प्रकाश नारायण की भूमिका का उल्लेख किया। इस कड़ी में उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री शेर सिह ने भारतीय इतिहास संकलन समिति की कार्य प्रणाली पर प्रकाश डाला तथा समिति के संगठन की जानकारी प्रदान की। ऋषिपाल शर्मा ने पाठ्य-पुस्तकों में इतिहास की विसंगतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इतिहास के विकृतिकरण के कारण बताकर उनका विश्लेषण किया। अध्यक्षीय वक्ता के रूप में अध्यक्ष डा. ज्ञानेश्वर खुराना ने मूल्यों की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयासों को सभ्यता बताया। उन्होंने इतिहास के विकृतिकरण के स्वरूप की व्यापक जानकारी दी। वर्तमान में पढ़ाई जा रही स्कूली इतिहास की पाठ्य-पुस्तकों की कमियों की ओर संकेत किया। कार्यशाला में प्रो.एस.पी.जैन, प्राध्यापक भान सिह आदि प्रतिभागियों ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी बी.आर. बाम्बा, गोपीचंद, प्रो. एस.सी. सिंघल, प्रधान डा. हरीश झंडई, ज्ञानचंद भल्ला, अनिल छाबड़ा, गुलशन वालिया, राजपाल, नरेंद्र कुमार गुप्ता, केशव,रामदास व डा.तेजिंद्र सहित काफी संख्या में विद्वान उपस्थित थे।

रोहतक, शनिवार 28 सितंबर 2019
haribhoomi.com

डॉ. सतीश मित्तल के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला

- सादगीपूर्ण और आत्मीयता से भरा था सतीश चंद्र मित्तल का जीवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित कवि व साहित्यकार। फोटो: हरिभूमि

अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति, जिला इकाई कैथल द्वारा ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद् एवं इतिहासकार प्रोफेसर सतीश चन्द्र मित्तल की स्मृति में स्थानीय आरकेएसडी कालेज के अध्यापक-कक्ष में एक श्रद्धांजलि -सभा का आयोजन किया गया। डॉ. सतीश मित्तल का पिछले दिनों देहावसान हो गया था। डॉ. मित्तल ने आरकेएसडी कालेज कैथल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में इतिहास पढ़ाया। उन्होंने इतिहास विषय की दो दर्जन पुस्तकों की रचना करके भारत के लुप्त और गुप्त इतिहास को भारत और विश्व के सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।उनकी अंतिम प्रकाशित पुस्तक /" जलियांवाला बाग/" विषय को लेकर थी । उनके शोधपरक लेख /" पांचजन्य/",/"क्रानिकल /" और /"सोशल साइंस/" जैसी राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में छपे। एनएसएस के ध्येय वाक्य /"नाट मी, बट यू/" के जनक डॉ. सतीश मित्तल ही थे। श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते हुए इतिहासकार कमलेश शर्मा ने डॉ. सतीश मित्तल के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि डॉ. सतीश मित्तल भारतीय इतिहास को भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखने वाले और इतिहास को राष्ट्रीयता से जोड़ने वाले इतिहासकार थे।

वे साधारण कार्यकत्ताओं को पूरा सम्मान देते थे और उनसे मित्र जैसा व्यवहार करते थे। डॉ. सतीश मित्तल के शिष्य रहे डॉ. हरीश झंडै ने उन्हें याद करते हुए कहा कि डॉ. सतीश मित्तल से उनकी पहली मुलाकात प्रताप गेट कैथल में लगने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में हुई थी। उनका व्यक्तित्व सादगीपूर्ण और आत्मीयता से भरा था। उनका व्यक्तित्व अंतरराष्ट्रीय पहचान का व्यक्तित्व था। डॉ. सतीश चन्द्र मित्तल को अपनी पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में डॉ.अशोक अत्रि,सोहन लाल गुप्ता, ज्ञान चंद भल्ला, कैलाश भगत, डॉ. तेजिंद्र,जसमेर सिंह बंदराना, हरमन चीका, धीरज कौशिक कुरुक्षेत्र,मधु गोयल, सुमन, प्रधानाचार्य अमृत सचदेवा, ईश्वर चंद गर्ग सहित नगर की शैक्षणिक, साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कैथल व आसपास के क्षेत्र के लोग शामिल थे।

सोमवार MONDAY 28 मई 2012 — कैथल-कुरुक्षेत्र केसरी

भारतीय इतिहास के संकलन की आवश्यकता : पांडेय

■ प्रदेश की विशाल धरोहर व संस्कृति पर किया विचार-विमर्श

प्रतिनिधि सम्मेलन में मंच पर बैठे अतिथि।

दैनिक भास्कर — कैथल

नई पीढ़ी को इतिहास का होना चाहिए ज्ञान

इतिहास समिति की एक दिवसीय कार्यशाला में इतिहास पर हुआ मंथन।

अम्बाला महानगर · सोमवार · 2 अगस्त 2010

हरिभूमि — रोहतक, सोमवार, 2 अगस्त, 2010

इतिहास के बारे में जागरूक किया

अमर उजाला — चंडीगढ़ शनिवार 4 अक्टूबर 2014

कमलेश शर्मा बने अध्यक्ष

कैथल के सेक्टर बीस में भारतीय इतिहास संकलन समिति की एक बैठक

बैठक में समिति की जिला इकाई का गठन किया गया

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति की एक बैठक शुक्रवार को प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश शर्मा के सेक्टर 20 स्थित घर पर आयोजित की गई। इसमें जिला इकाई के गठन व पांच अक्तूबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन विषय पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष हरीश झंडई ने की। बैठक में समिति की जिला इकाई का गठन किया गया। इसमें प्रो. बीबी भारद्वाज एवं डॉ. ओपी बंसल को संरक्षक, कमलेश शर्मा को अध्यक्ष, भान सिंह, डॉ. अशोक अत्री व डॉ. आशा रानी को उपाध्यक्ष, रिछपाल सिंह को सचिव, सोहन लाल को संगठन सचिव, हरीश मदान को कोषाध्यक्ष, डॉ. रोहतास जमदग्नि को विद्वत परिषद प्रमुख, ज्ञानचंद भल्ला को महासचिव, प्रो. सतीश शर्मा को लेखा निरीक्षक, डॉ. तेजिंद्र को प्रेस सचिव, प्राचार्य अमृत लाल सचदेवा, अनिल छाबड़ा, प्रो. सतीश शर्मा व कमलेश मधु को परामर्शदाता मनोनीत किया गया।

जागरण सिटी — कैथल — पानीपत, 3 फरवरी 2013 — दैनिक जागरण । 17

कार्यक्रम : भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से गोष्ठी का आयोजन

विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलने का संदेश

खेड़ी गुलामअली में संगोष्ठी को संबोधित करते अधिकारी।

एनएसएस कैंप का आयोजन

अम्बाला महानगर, रविवार, 3 फरवरी, 2013 17

भारतीय संस्कृति पूरे विश्व में प्रसिद्ध : शर्मा

रावमा विद्यालय खेड़ी गुलामअली में गोष्ठी हुई

भास्कर न्यूज | कैथल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी गुलामअली में भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. हरीश झंडई, कमलेश शर्मा व सीरभान ने की।

कमलेश शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति का गौरवशाली इतिहास विश्व भर में प्रसिद्ध है जिसके आधार पर प्राचीन समय में भारत को विश्व गुरु की उपाधि दी गई थी। भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचाने के लिए समय-समय पर विरोधियों ने प्रयास किया गया लेकिन देश के लोगों ने उनके इरादों को कभी भी पूरा नहीं होने दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महान हस्ती स्वामी विवेकानंद का नंद का भी विशेष योगदान रहा है। हमें इन महान हस्तियों के मार्ग पर चलते हुए देश के विकास में अपना अहम योगदान देना चाहिए ताकि भारत विश्व भर में आगे भी विश्व गुरु की उपाधि पर बरकरार रहे। प्राचार्य अनिल छाबड़ा ने गोष्ठी में उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।

पंजाब केसरी — रविवार SUNDAY 3 फरवरी 2013 — एक नजर

स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला

दैनिक जागरण — पानीपत, 25 मई 2012

संकलन समिति का सम्मेलन 27 को

कैथल : भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा का प्रांत प्रतिनिधि सम्मेलन 27 मई को आर के एस डी कॉलेज में आयोजित किया जाएगा।

24 मार्च 2015 — दैनिक भास्कर

आरकेएसडी कॉलेज में 28 को मनाया जाएगा इतिहास दिवस

कैथल | भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई कैथल द्वारा आरकेएसडी कॉलेज के सेमिनार कक्ष में 28 को 'इतिहास दिवस' मनाया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता साकेत मंगल करेंगे। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा इकाई के प्रेस सचिव डॉ. तेजिंद्र ने बताया कि कार्यक्रम में उद्योगपति सुनील चौधरी, सुरेश नीच और अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव शेर सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होंगे।

24 मार्च 2015 — कैथल केसरी

इतिहास दिवस समारोह 28 को

24 मार्च 2015 — हरिभूमि — कैथल

इतिहास दिवस समारोह 28 को

...एवं एडवोकेट साकेत मंगल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में राजनेता सुनील चौधरी, सुरेश नीच व समिति के दिल्ली राष्ट्रीय सचिव शेरसिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।

अमर उजाला — चंडीगढ़ । 18 अगस्त 2014

गोष्ठी में धर्मनिरपेक्षता पर मंथन किया

कैथल (ब्यूरो)। भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में धर्म निरपेक्षता बनाम सर्वधर्म सद्भाव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डा. ओमप्रकाश बंसल की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी का संचालन इतिहासविद् कमलेश शर्मा ने किया। शर्मा ने उपस्थित जनों को संगोष्ठी के विषय से परिचित करवाया। प्रोफेसर बीबी भारद्वाज ने धर्मनिरपेक्षता को एक अच्छा विचार, अच्छी सोच बताया। उन्होंने धर्म निरपेक्षता के अर्थ एवं इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत शुरू से ही धर्मनिरपेक्ष देश रहा है। विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के साथ-साथ कौटिल्य के अर्थशास्त्र, फाहियान व अमर सिंह के अमर कोश जैसी विदेशी यात्रियों के सफरनामे में राजा के लिए निर्देश है कि राजा को सभी धर्मों का पोषण करना चाहिए। हिंदू राजाओं ने मस्जिदों का निर्माण करवाया। जो उनकी धर्म निरपेक्ष सोच का परिणाम है। धर्म निरपेक्ष के संबंध में प्रोफेसर बीबी भारद्वाज ने कहा कि हमें लकीर का फकीर नहीं बनना चाहिए।

कैथल केसरी — सोमवार MONDAY 18 अगस्त 2014

धर्म निरपेक्षता बनाम सर्व धर्म सद्भाव पर संगोष्ठी आयोजित

कैथल, 17 अगस्त (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति कैथल द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के प्रांगण में धर्म निरपेक्षता बनाम सर्व धर्म सद्भाव विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। डा. ओमप्रकाश बंसल की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी का संचालक इतिहासविद् कमलेश शर्मा ने किया।

मंच संचालन करते हुए कमलेश शर्मा ने उपस्थितजनों को संगोष्ठी के विषय से परिचित करवाया।

मुख्य वक्ता के रूप में इतिहासविद् प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने धर्म निरपेक्षता को अच्छा विचार, अच्छी सोच बताया। उन्होंने धर्म-निरपेक्षता के अर्थ, स्वरूप एवं इतिहास पर प्रकाश डाला।

अपने वक्तव्य में प्रो. भारद्वाज ने धर्म-निरपेक्षता की यात्रा के विभिन्न पड़ावों का जिक्र किया। धर्म निरपेक्षता के संबंध में प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने कहा कि हमें लकीर का फकीर नहीं बनना चाहिए। इस अवसर इतिहास-प्राध्यापक रहे भान सिंह व प्रो. अमृत लाल मदान ने भी विचार रखे।

संगोष्ठी के दौरान प्रो. सतीश शर्मा व डा. तेजिंद्र कम्बोज आदि ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा शांत की।

इस अवसर पर रिसाल जांगड़ा, रामफल गौड़, सतबीर जागलान, अनिल गर्ग, विजय कृष्ण राठी, रविंद्र रवि, ज्ञानचंद भल्ला, सोहन लाल गुप्ता, ईश्वर चंद गर्ग, सरोज जोशी, राजकुमार मदान, अनिल कौशिक, पंकज खोसला, डा. प्रद्युम्न भल्ला, सुबे सिंह राविश, बालकिशन बेजार, रामकुमार भारतीय व चेतन चौहान आदि उपस्थित थे।

कैथल केसरी — MONDAY 16 जून 2014

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की संगोष्ठी आयोजित

कैथल, 15 जून (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के प्रांगण में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

इसमें इतिहास विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद् प्रो. बी.बी. भारद्वाज मुख्यातिथि थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डा. हरीशचंद्र झंडई ने की। इस अवसर पर पर प्रो. ए.एल. मदान, प्रो. आर.के. गुप्ता और डा. गुलाब सिंह विशिष्ट अतिथि थे।

संगोष्ठी में डा. अशोक अत्री एवं डा. रोहतास जमदग्नि मुख्य वक्ता थे। इसके संचालन का उत्तरदायित्व निभाते हुए कमलेश शर्मा ने विषय का परिचय दिया। अपने वक्तव्य में डा. रोहतास ने कहा कि कुछ कानून जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं, प्रभावहीन हो चुके हैं। इनको आज के संदर्भ में परिवर्तित करने की आवश्यकता है।

संगोष्ठी में भाग लेते मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता व अन्य।

अध्यक्षीय टिप्पणी करते हुए डा. झंडई ने कहा कि संवैधानिक परिवर्तन करते समय राजनीतिक नेतृत्व में प्रबल इच्छाशक्ति व राजनीतिक बुद्धिमता होना आवश्यक है।

धर्म निरपेक्षता बनाम सर्व धर्म सद्भाव पर संगोष्ठी आयोजित

अमर उजाला

संविधान की प्रासंगिकता पर प्रोफेसरों का मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में रविवार को भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में इतिहास विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद् प्रोफेसर बीबी भारद्वाज ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डा. हरिश्चंद्र ने की। डा. रोहतास ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कुछ कानून अब प्रभावहीन हो चुके हैं। इनमें आज के संदर्भ में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। डा. अशोक अत्री ने देश की संवैधानिक समस्याओं का जिक्र करते हुए समय के अनुसार बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रासंगिकता सदा रहेगी। कानून का सभी को पालन करना चाहिए। राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर आरके गुप्ता ने संविधान की कमियों को दूर करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति जो कानून बनाए गए हैं, उनसे अपराधों में कोई कमी नहीं आई है। महिलाओं के प्रति पुरुष प्रधान समाज को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। इस अवसर पर ज्ञानचंद भल्ला, औएस भुल्लर, सतबीर जागलान, रिसाल जांगड़ा, प्रो. सतीश शर्मा, अनिल छाबड़ा, तेजिन्द्र, हरीश मदान, डा. ओम प्रकाश बंसल व हकीम चतुर्भुज बंसल मौजूद थे।

स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह 23 को

कैथल। भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा स्थानीय आई.जी.पब्लिक स्कूल में 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए समिति के प्रांत सचिव डा. तेजिंद्र ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश बहादुर सुरानिया प्रधान आई.जी. स्कूल प्रबंधक समिति करेंगे, जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र सिंह इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समारोह में नगर परिषद् के चेयरमैन यशपाल प्रजापति, भाजपा नेत्री शैली मुंजाल और यशपाल चौधरी समाजसेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह में प्रो. बीबी. भारद्वाज प्रांत अध्यक्ष समिति मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे और डा. हरीश झंडई समारोह में बीज वक्तव्य देंगे। इससे पूर्व बताया कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी कराए जाते रहेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 11 मई, 2015

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम स्मृति दिवस कार्यक्रम

प्रत्येक भारतीय करे सेल्युलर जेल की यात्रा

कैथल, 10 मई (हप्र)

प्रत्येक भारतीय को 4 धाम की यात्रा के साथ-साथ जलियांवाला बाग व अंडमान निकोबार की सेल्युलर जेल (काला पानी) की यात्रा भी करनी चाहिए। तब हमें अहसास होगा कि देश को आजाद करवाने में हमारे पुरखों ने किस तरह से यातनाएं सहीं।

यह शब्द हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने कहे। वह आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम स्मृति दिवस समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे थे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय इतिहास संकलन समिति ने किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति धर्मपाल शर्मा ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राधेश्याम मलिकपुरिया थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. बीबी भारद्वाज व डा. हरीश झंडई प्रांतीय मार्गदर्शक थे।

मुख्यातिथि भारत भूषण भारती ने कहा कि हमें शहीदों की कुर्बानियों को याद रखना होगा। हम अपने धार्मिक स्थलों पर तो जाएं, लेकिन अगर गांव या शहर में कहीं शहीद स्मारक है तो वहां भी जरूर जाएं। बच्चों को बताएं कि हमने किस तरह से आजादी हासिल की। उसे आजादी की कहानियां सुनाएं। कार्यक्रम में मंच का संचालन कमलेश शर्मा व रोहतास जमदग्नि ने किया। विजय कृष्ण राठी ने भारत के गौरवमयी अतीत का वर्णन किया।

इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित जानकारी दी व शहीदों को प्रणाम किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य जसमेर सिंह, राजेश कुमार, डा. ओ.पी. बंसल, प्राचार्य अनिल छाबड़ा, प्राचार्य अमृत सचदेवा, भान सिंह, सोहनलाल गुप्ता, सतीश मदान आदि भी मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर कैथल

पुस्तक मेला | तीसरे दिन चिंतन संगोष्ठी का आयोजन किया गया, कॉलेजों के छात्राओं ने खूब की खरीदारी

300 पुस्तकों में बताया गया हरियाणा का लोक साहित्य

कैथल लाइव | अमर उजाला

भारत मानव नहीं, दैव्य निर्मित देश है : इंद्रेश

आरकेएसडी कॉलेज में भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से इतिहास दिवस समारोह

16 | दैनिक जागरण | पानीपत, 2 अगस्त 2010 | जागरण सिटी

भारत से हुआ इतिहास के लेखन का श्री गणेश

इतिहास संकलन समिति की कार्यशाला में उपस्थित इतिहासकार।

• भारतीय इतिहास संकलन समिति का कार्यशाला संपन्न

रोहतक, सोमवार, 11 मई 2015 | कैथल | हरिभूमि 1

स्वतंत्रता संग्राम दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज. कैथल

■ कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती रहे बतौर मुख्य अतिथि शामिल

भारतीय इतिहास संकलन समिति की कैथल ईकाई द्वारा आरकेएसडी कॉलेज में प्रांतीय मार्गदर्शक डा. हरीश झंडई के मार्गदर्शन में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी धर्मपाल शर्मा ने की व समाजसेवी राधेश्याम मलिकपुरिया बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहे। कार्यक्रम में मंच का संचालन कमलेश शर्मा व रोहताश जमदग्नी ने किया। समारोह में विजय कृष्ण राठी ने भारत के गौरवमयी अतीत का वर्णन किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित जानकारी दी व शहीदों को प्रणाम किया। राधेश्याम मलिकपुरिया ने कहा कि शहीदों के परिजनों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता शीघ्र मिलनी चाहिए। उन्हे इसके लिए लंबा इंतजार नही करवाया जाना चाहिए। समारोह के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने कहा कि शहीद देश की आत्मा है और वे हमारे दिलों में हमेशा बसते रहेंगे। मुख्य अतिथि भारत भूषण भारती ने कहा कि मानव की मूल प्रवृत्ति स्वतंत्र रहना है, फिर भी गुलामी की प्रवृत्ति हममे अभी भी किसी न किसी रूप में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि हमे जीवन में कम से कम एक बार जलियांवाला बाग व अंडेमान की सिम्युलर जेल के दर्शन अवश्य करने चाहिए ताकि शहीदों के बलिदानों का एहसास हो सके। इस अवसर पर समिति के सदस्य मौजूद रहे।

जागरण सिटी कैथल | पानीपत, 3 फरवरी 2013 | दैनिक जागरण | 17

कार्यक्रम : भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से गोष्ठी का आयोजन

विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलने का संदेश

स्वेटी गुलाबअली में संगोष्ठी को संबोधित करते अतिथि।

एनएसएस कैंप का आयोजन

रोहतक, सोमवार, 16 जून 2014 | कैथल | हरिभूमि 12

संगोष्ठी | भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

कानून में संशोधन की वकालत

हरिभूमि न्यूज कैथल

कैथल। संगोष्ठी में भाग लेते हुए समिति के पदाधिकारी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

कैथल | अमर उजाला, सोमवार, 16 जून, 2014 | 16

अंग्रेजों के जमाने के प्रभावहीन कानूनों को अब बदलने का वक्त

आरकेएसडी कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

आरकेएसडी कालेज में आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य।

भा.इ. संकलन समिति जिला इकाई ने की बैठक व संगोष्ठी

कैथल, 1 सितम्बर (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की कैथल जिला इकाई की बैठक समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डा. हरिशचंद्र झंडई की अध्यक्षता में हुई। समिति के सदस्य डा. तेजिंद्र ने बताया कि बैठक में समिति के 10 नवम्बर को कैथल में होने वाले क्षेत्रीय विद्वत परिषद के अधिवेशन के मुद्दों, क्रिया-कलापों एवं तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई।

इस अधिवेशन में दिल्ली व हरियाणा से इतिहासविद् भाग लेंगे तथा अधिवेशन में विभिन्न विषयों पर शोध-आलेख भी पढ़े जाएंगे।

इसके पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें इतिहासकार कमलेश शर्मा ने अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति योजना के जनक बाबा साहब आप्टे के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा आप्टे का भारतीय इतिहास एवं संस्कृति से गहरा लगाव था।

उन्होंने जीवनभर भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का संरक्षण, संकलन व संवर्धन किया। सोहन लाल गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो सर्वधर्म सम्मेलन में दिए 2 भाषणों के अंश पढ़े तथा उनके ऐतिहासिक महत्त्व एवं उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

इतिहासविद् भान सिंह ने हरियाणवी लोकगीतों के माध्यम से द्वितीय विश्व युद्ध व जर्मन की हार के इतिहास पर प्रकाश डाला। डा. झंडई ने भारतीय संविधान की वर्तमान दशा व संविधान-संशोधन प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संविधान में विद्यमान प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए। संविधान में संशोधन किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। अध्यक्षीय टिप्पणी के साथ संगोष्ठी समाप्त हुई।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 16 जून, 2014 | 4

अंग्रेजों के जमाने के कानून प्रभावहीन, संशोधन की जरूरत

■ भारतीय इतिहास संकलन समिति की गोष्ठी में बोले वक्ता

संविधान में संशोधन किए जाने की कोई जरूरत नहीं : झंडई

जासंके, कैथल: भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की कैथल जिला इकाई की बैठक रविवार को प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. हरीशचंद्र झंडई की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समिति के 10 नवंबर को कैथल में आयोजित होने वाले क्षेत्रीय विद्वत परिषद के अधिवेशन के मुद्दों, क्रिया कलापों एवं तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई। इस अधिवेशन में दिल्ली व हरियाणा के इतिहासविद् भाग लेंगे।

अधिवेशन में विभिन्न विषयों पर शोध आलेख भी पढ़े जाएंगे। इसके पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें इतिहासकार कमलेश शर्मा ने अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति योजना के जनक बाबा साहब आप्टे के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा आप्टे का भारतीय इतिहास एवं संस्कृति से गहरा लगाव था। उन्होंने जीवन भर भारतीय इतिहास एव संस्कृति का संरक्षण, संकलन व संवर्धन किया। सोहन लाल गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो सर्वधर्म सम्मेलन में दिए गए दो भाषणों के अंश पढ़े और उनके ऐतिहासिक महत्व एवं उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इतिहास विद् भान सिंह ने हरियाणवी लोक गीतों के माध्यम से द्वितीय विश्व युद्ध व जर्मन की हार के इतिहास पर प्रकाश डाला। डॉ. हरीशचंद्र झंडई ने भारतीय संविधान की वर्तमान दशा व संविधान-संशोधन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि संविधान में विद्यमान प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए।

कैथल केसरी

संगोष्ठी आयोजित

कैथल, 17 फरवरी (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई की संगोष्ठी का आयोजन आर.के.एस.डी. कालेज के प्रांगण में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय मार्गदर्शक डा. हरीशचंद्र झंडई ने किया जबकि समिति के प्रांत अध्यक्ष प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। संगोष्ठी का संचालन इतिहासकार कमलेश शर्मा ने किया।

संगोष्ठी में प्रो. अशोक अत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए धारा 370 की पृष्ठ भूमि, परिचय, धारा 370 के लगाए जाने के कारणों, धारा 370 के पक्ष विपक्ष में तर्क-वितर्क, धारा 370 के प्रभाव व वर्तमान में प्रासंगिकता पर व्यापक रूप से प्रकाश डालते हुए अपना मत प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि धारा 370 एक मुखौटा है।

इसमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से काफी परिवर्तन हो चुके हैं। प्रो. बी.बी. भारद्वाज ने भारतीय स्वतंत्रता के पूर्व व बाद की परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डा. हरीशचंद्र झंडई ने कहा कि धारा 370 को अप्रासंगिक बनाया जा सकता है। संगोष्ठी में प्राचार्य अनिल छाबड़ा, प्राचार्य अमृत सचदेवा, प्रो. सतीश शर्मा, चतुर्भुज बंसल, सूबे सिंह यज्ञिक, कमलेश शर्मा व डा. तेजिंद्र ने अपने विचार रखे।

आज समाज
अंबाला/चंडीगढ़, शुक्रवार, 25 मई 2012

आरकेएसडी में सम्मेलन 27 को

amarujala.com | कैथल | फरवरी 12, 2017 | रविवार

'लोक साहित्य के बिना लोकतंत्र अधूरा'

हरियाणा ग्रंथ अकादमी द्वारा आयोजित पुस्तक मेले का तीसरा दिन

[illegible]

अम्बाला महानगर, रविवार, 3 फरवरी, 2013 17

भारतीय संस्कृति पूरे विश्व में प्रसिद्ध : शर्मा

रावमा विद्यालय खेड़ी गुलामअली में गोष्ठी हुई

भास्कर न्यूज | सीवन

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी गुलामअली में भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता समिति के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. हरीश झंडई, कमलेश शर्मा व वीरभान ने की।

कमलेश शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति का गौरवशाली इतिहास विश्व भर में प्रसिद्ध है जिसके आधार पर प्राचीन समय में भारत को विश्व गुरू की उपाधि दी गई थी। भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचाने के लिए समय-समय पर विरोधियों ने प्रयास किया गया लेकिन देश के लोगों ने उनके इरादों को कभी भी पूरा नहीं होने दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महान हस्ती स्वामी विवेकानंद का नंद का भी विशेष योगदान रहा है। हमें इन महान हस्तियों के मार्ग पर चलते हुए देश के विकास में अपना अहम योगदान देना चाहिए ताकि भारत विश्व भर में आगे भी विश्व गुरू की उपाधि पर बरकरार रहे। प्राचार्य अनिल छाबड़ा ने गोष्ठी में उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, रविवार, 3 फरवरी, 2013

स्वामी विवेकानंद की जन्मशती के उपलक्ष्य में कैंप आयोजित

कैथल, 2 फरवरी (अस)। स्वामी विवेकानंद की 150वीं जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाडला में एक दिवसीय एन.एस.एस. कैंप का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रधानाचार्य पवन कुमार मित्तल व कार्यक्रम अधिकारी पवन जुनेजा ने की। इस अवसर पर इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष हरीश झंडई तथा प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं साहित्यकार कमलेश शर्मा ने विवेकानंद के विषय में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित किया। झंडई ने विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नरेंद्र नाथ दत्त अपनी योग्यता से ही स्वामी विवेकानंद बन गए। भारतीय संस्कृति का प्रसार उन्होंने देश तथा विदेश में भी किया। शिकागो सम्मेलन में उनके दो शब्दों 'भाइयों एवं बहनों' ने भारतीय संस्कृति का चित्र प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। कमलेश शर्मा ने स्वयंसेवकों को जीवन में आदर्श मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य पवन मित्तल ने स्वयंसेवकों को भारतीय संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विकास शर्मा, पंकज खोसला, ओमप्रकाश शास्त्री, सतीश कुमार, श्रीपाल, हवा सिंह, आशा, नीरु, मंजु, कमलेश व अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

कैथल केसरी | MONDAY 16 जून 2014

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की संगोष्ठी आयोजित

कैथल, 15 जून (मित्तल): भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा की जिला इकाई द्वारा आर.के.एस.डी. कालेज के प्रांगण में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता एवं अपेक्षित परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

इसमें इतिहास विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद् प्रो. बी.बी. भारद्वाज मुख्यातिथि थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता समिति के प्रदेशाध्यक्ष डा. हरीशचंद्र झंडई ने की। इस अवसर पर पर प्रो. ए.एल. मदान, प्रो. आर.के. गुप्ता और डा. गुलाब सिंह विशिष्ट अतिथि थे।

संगोष्ठी में डा. अशोक अत्री एवं डा. रोहतास जमदग्नि मुख्य वक्ता थे। इसके संचालन का उत्तरदायित्व निभाते हुए कमलेश शर्मा ने विषय का परिचय दिया। अपने वक्तव्य में डा. रोहतास ने कहा कि कुछ कानून जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं, प्रभावहीन हो चुके हैं। इनको आज के संदर्भ में परिवर्तित करने की आवश्यकता है।

डा. अत्री ने भारतीय संविधान को परिवर्तनशील संविधान बताया। उन्होंने देश की कुछ संवैधानिक समस्याओं का जिक्र करते हुए समय व जरूरत के अनुसार बदलावों की मांग की। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रासंगिकता सदा रहेगी। राजनीति शास्त्र के प्रो. आर.के. गुप्ता ने इन दोनों वक्ताओं के वक्तव्यों पर टिप्पणी की और संविधान में व्याप्त कमियों को दूर करने के सुझाव दिए।

संगोष्ठी में भाग लेते मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता व अन्य। (रमेश)

अध्यक्षीय टिप्पणी करते हुए डा. झंडई ने कहा कि संवैधानिक परिवर्तन करते समय राजनीतिक नेतृत्व में प्रबल इच्छाशक्ति व राजनीतिक बुद्धिमता होना आवश्यक है। परिवर्तन सकारात्मक होने चाहिएं।

संविधान का मजाक नहीं बनना चाहिए। संगोष्ठी में उपस्थितजनों ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को शांत किया। संगोष्ठी में ज्ञानचंद भाबा, जी.एस. भुक्कर, सतबीर जागलान, रिसाल जांगड़ा, प्रो. सतीश शर्मा, अनिल छाबड़ा, डा. तेजिंद्र कमोडक, हरीश मदान, डा. ओमप्रकाश बंसल व चतुर्भुज बंसल आदि ने भाग लिया।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस : जज्बे को सलाम

महिलाओं को पुरुषों के समान मिले अधिकार

आज हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे महिलाएं

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

वरिष्ठ भाजपा नेता राव सुरेंद्र की पत्नी प्रियंका राव ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। महिलाओं को पुरुषों के समान सही अधिकार दिलवाना ही प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। वे आज हिंदू गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जिला इतिहास संकलन समिति द्वारा आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर बीबी भारद्वाज प्रदेश अध्यक्ष ने विश्व इतिहास एवं महिलाओं के विभिन्न वर्गों में योगदान का उल्लेख किया। हरीश झंडा ई ने महिला अधिकार से संबंधित कविता पाठन किया। इस अवसर पर महिलाओं दीपशिखा रेणु कंसल शालिनी चौधरी ने कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को महिला एवं उनके अधिकारों बारे अवगत करवाया। संकलन समिति के मुख्य अतिथि ने कैथल की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं प्रोफेसर कमलेश शिक्षाविद डॉक्टर वर्षा चौधरी, डॉक्टर राजरानी गर्ग, डॉक्टर जनक नरूला शकुंतला भारती को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि प्रियंका राव ने इन विभूतियों को पुस्तकें एवं स्मृति चिन्ह

IV | दैनिक जागरण | पानीपत, 26 फरवरी 2017

सेमिनार | आरकेएसडी कॉलेज में विनायक के पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम

सावरकर लेखक व दूरदर्शी नेता थे : डॉ. मुकेश

जागरण संवाददाता, कैथल : आरकेएसडी कॉलेज सांध्य सत्र में जंग-ए-आजादी के महान सेनानी, विचारक, क्रांतिकारी, चिंतक, कवि व ओजस्वी वक्ता विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के रेडक्रॉस सोसाइटी उपाध्यक्ष डॉ. मुकेश अग्रवाल मुख्यातिथि थे, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार सतीश सेठ ने की। इतिहास संकलन समिति से प्रो. बीबी भारद्वाज, कमलेश शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए।

डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बाल गंगाधर तिलक के शिष्य वीर सावरकर को महान स्वतंत्रता सेनानी, लेखक और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि सावरकर पहले ऐसे राजनेता थे। वह राष्ट्र की राजनीतिक विचारधारा हिंदुत्व को करने के अग्रणी व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। मुख्य वक्ता प्रो. बीबी भारद्वाज ने भी वीर सावरकर के जीवन के अनछुए

वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते वक्ता ● जागरण

पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वीर सावरकर एकमात्र ऐसे क्रांतिकारी थे, जिन्हें ब्रिटिश साम्राज्य के केंद्र लंदन में उनके ही विरूद्ध क्रांतिकारी आंदोलन संगठित किया।

प्रिंसिपल डॉ. हरिंद्र गुप्ता ने स्वागत करते हुए दामोदर वीर सावरकर को सही मायनों में देश की आजादी का एक क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि उनकी लेखनी आग उगलती थी। अंग्रेजी हकुमत में सावरकार की रचानाओं के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश मित्तल ने बताया कि वीर सावरकर पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने 1857 की लड़ाई में भारत का स्वाधीनता संग्राम बताते हुए करीब 1000 पन्नों का इतिहास वर्ष 1907 में लिखा। इस अवसर पर डॉ. मनोज बंसल, डॉ. अजय मित्तल, प्रो. विशाल, डॉ. नीतिन मित्तल, डॉ. मुकेश, डॉ. कविता, डॉ. मोहित, प्रो. ऋतु उपस्थित रहे। प्राचार्य ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 8 अगस्त, 2022

इतिहास संकलन समिति ने किया भूले-बिसरे सेनानियों को याद

कैथल में मुख्य अतिथि का स्वागत करते समिति के सदस्य। -हप्र

कैथल, 7 अगस्त (हप्र)

आरकेएसडी महाविद्यालय कैथल में इतिहास संकलन समिति हरियाणा कैथल इकाई द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी डा. शिवशंकर पाहवा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता देश के जानेमाने इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज रहे।

प्रो. भारद्वाज ने राष्ट्रीय आंदोलन के भूले बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। उन्होंने चटगांव के नायक सूर्य सैन के बारे में बताया कि उन्होंने पांच दिनों तक चटगांव बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था, इसमें अंग्रेजी सैन्य छावनी थी। वे तीन बार जेल गये। उन्हें फांसी की सजा हुई पर अंग्रेजी शासन ने क्रूरता से इतना मारा कि फांसी वाली रात ही उनकी मृत्यु हो गई। उनके अलावा रासबिहारी बोस एवं चापेकर बंधुओं के बलिदानों को याद करते हुए उन्होंने वेदना जताई कि इतिहास में इनके योगदान को न के बराबर स्थान मिला है। उन्होंने 17 वर्षीय खुशीराम को भी याद किया जिन्होंने पांच गोलियां खाकर लाहौर के मशहूर हीरा मंडी चौक पर तिरंगा लहराया था। डा. शिवशंकर पाहवा ने बाबा बंदा बहादुर बैरागी के जीवन परिचय, योगदान एवं उनकी शहादत को याद किया। प्रो. अमृत मंदान ने बैठक की अध्यक्षता की। मंच संचालन जाने माने साहित्यकार व इतिहासविद कमलेश शर्मा ने किया। प्रो. अशोक अत्रि एवं राजेश भारती ने कार्यक्रम का संयोजन किया। इस अवसर पर प्रो. हरीश झंडई, रिसाल जांगड़ा, सतीश शर्मा, मधु गोयल एवं नीरू मैहता ने राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत कविता पाठ किया।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, सोमवार, 28 मार्च, 2022

स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल के योगदान पर सेमिनार

कैथल में रविवार को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए। -हप्र

कैथल, 27 मार्च (हप्र)

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कैथल के योगदान विषय पर इतिहास संकलन समिति ने सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि उद्योगपति सुनील चौधरी रहे। इसकी अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति के प्रांत अध्यक्ष एवं इतिहासकार रमेश धारीवाल ने की। मुख्य वक्ता प्रो. बीबी भारद्वाज ने इस अवसर पर कैथल के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने महाशय काका राम, महाशय राम किशन गुप्ता, नराता राम भल्ला, फग्गु राम अग्रवाल, महाशय हंसराज, महाशय ब्रजलाल, बाबा कणक पुरी एवं देवी दयाल ठठेरा के स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान को याद किया और कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में कैथल का बड़ा योगदान है। प्रो. बीबी भारद्वाज ने जोर दिया कि वर्तमान पीढ़ी को इनकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। इस अवसर पर देवीदयाल ठठेरा के पौत्र ओमप्रकाश को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. आशा, प्रो. संयोगिता, रिसाल जांगड़ा, साहित्य अकादमी से सम्मानित युवा लेखक राजेश भारती, लक्ष्मीचंद पुरस्कार से सम्मानित कवि रामफल गौड़, प्रो. राजीव शर्मा मौजूद थे।

IV | दैनिक जागरण पानीपत, 18 फरवरी 2017

शहीदों को नमन विषय पर सेमिनार

जागरण संवाददाता, कैथल: श्री राम कॉलेज आफ एजुकेशन कैथल में इतिहास संकलन समिति हरियाणा के सहयोग से आजादी के शहीदों को नमन विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसके मुख्य अतिथि भाजपा प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य राव सुरेंद्र सिंह रहे। इस सम्मेलन में इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय अध्यक्ष प्रो.बीबी भारद्वाज व भाजपा नेता सुरेश गर्ग नौच भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सेमिनार में मुख्यातिथि राव सुरेंद्र सिंह का स्वागत करते प्रबंधक • जागरण

इतिहास की भ्रांतिया दूर की

प्रो.बीबी भारद्वाज ने इतिहास के पन्नों को अपनी कलम से नयापन देकर उसकी पूरी व्याख्या की व इतिहास की कुछ भ्रांतियां दूर की। प्रो. रेणु कंसल ने एक देशभक्ति गीत गाकर माहौल बदल दिया। कालेज के प्रबंधक रवि सिंघल ने मुख्य अतिथि राव सुरेंद्र सिंह का फूलों की माला व गुलदस्ते देकर स्वागत किया व जगदीश राय सिंगल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि श्री राम कॉलेज आफ एजुकेशन कैथल ने शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को साइंस व गणित विषय के साथ-साथ इतिहास का भी ज्ञान होना जरूरी है व प्रदेश सरकार के द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अमित सैनी ने उनका धन्यवाद किया और कहा कि श्री राम कॉलेज अनेक प्रकार की गतिविधियां करवाता है ताकि सभी डीएड एवं बीएड के छात्राध्यापकों को सीखने को मिलता रहे।

इस दौरान कॉलेज के स्टाफ सदस्य अवधेश शर्मा, सूरज, महावीर कादयान, डॉ. नीता, टीएन कौशिक, पूजा कौशिक, नरेश सैनी, रुचि अग्रवाल, शान, रजनी और पूनम मौजूद रहे।

12 | दैनिक जागरण पानीपत, 28 मई 2012

इतिहास के संकलन की आवश्यकता: बालमुकंद

प्रांतीय सम्मेलन

- भारतीय इतिहास का अध्ययन वर्तमान परिपेक्ष्य में हो
- रत्नोपस्त सिंगले के योगदान का किया वर्णन

मंच पर बैठे भारतीय इतिहास संकलन समिति के पदाधिकारी। जागरण

कैथल, जागरण संवाद केंद्र: भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा द्वारा प्रांतीय प्रतिनिधि सम्मेलन एवं ग्रंथ लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को आरकेएसडी कॉलेज के सेमिनार कक्ष में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.सतीश चन्द मित्तल ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के संरक्षक ठाकुरराम खुराना मुख्य अतिथि तथा प्रसिद्ध इतिहासकार डा. हिम्मत सिंह सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन भारतीय इतिहास संकलन समिति के जिला अध्यक्ष कमलेश शर्मा ने किया।

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन सचिव बाल मुकंद पाण्डेय ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि भारतीय इतिहास के पुर्नलेखन की नहीं अपितु संकलन की आवश्यकता है। उन्होंने इतिहास संकलन में योगदान देने के संगठन का वर्णन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में सरस्वती शोध संस्थानों की गतिविधियों एवं अन्य के मूल स्थान व विषय में जानकारी दी। उन्होंने भारतीय इतिहास के विभिन्न पक्षों का वर्णन करते हुए कहा कि इतिहास का अध्ययन वर्तमान के परिपेक्ष्य में होना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. सतीश चन्द्र मित्तल ने हरियाणा की धरोहर व संस्कृति की चर्चा करते हुए स्वामी विवेकानंद के गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस के गुण सत लोगों के बारे में बताया।

ठाकुरराम खुराना ने कहा कि वैदिक इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास को अंधेरे में निकालने का कार्य किया। उन्होंने मोहन जोदड़ो-हड़प्पा सहित विभिन्न स्थानों की खुदाई कर भारतीय इतिहास को प्रमाणिक किया। प्रसिद्ध इतिहासकार डा. हिम्मत सिंह ने कहा कि अतीत में भारतीय इतिहास विकृत रूप था, जिससे कालगणना को बिगाड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि पुराणों के पढ़ने से भारतीय इतिहास का ज्ञान होता है।

कार्यक्रम ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ. हरीशचंद झंडई ने कहा कि इतिहास तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। कार्यक्रम में विजय कृष्ण राठी व डा. चतुर्भुज बंसल ने ऐतिहासिक कविताएं प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मन मोह लिया। इस मौके पर कमलेश शर्मा द्वारा रचित कविताओं अतीत के झरोखे से वर्तमान की दहलीज तक का विमोचन कार्यक्रम में आए लेखकों, कवियों एवं इतिहासकारों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. रवी सिंह, डी. विनय सिंघल, श्रीएम गुप्ता, धर्मपाल बाल्मी, प्रो.अनिल कुमार, कपूर चंद अग्रवाल को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुलदीप शेर सिंह, शान, प्रो. बी बी भारद्वाज, चन्द्र भल्ला, डा. रविन्द्र, रिसाल जांगड़ा, रविन्द्र कुमार, एसएल गौड़, भान सिंह, सजीव चावला, अमृत मलकेबा आदि उपस्थित थे।

रविवार, 29 मार्च 2015 कैथल | हरिभूमि

इतिहास अगर अच्छा होता है तो ऊर्जा देता है: इंद्रेश

2कैथल। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि इंद्रेश। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज. कैथल

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा ने आरकेएसडी कॉलेज में इतिहास दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साकेत मंगल ने की।

■ आरकेएसडी कॉलेज में इतिहास दिवस समारोह आयोजित

कार्यक्रम में जिलाभर से बुध्दजीवियों ने भाग लिया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि इंद्रेश ने कहा कि इतिहास का मतलब सीधा भूतकाल से जुड़ना है। भूतकाल से जुड़ाव से वर्तमान की समझ व भविष्य का रास्ता निकलता है। इतिहास अगर अच्छा है तो ऊर्जा देता है। उन्होंने कभी कोई विश्वविद्यालय नहीं खोला, ताकि हमारा मानसिक विस्तार न हो पाए। वे हमें केवल गुलाम बना कर रखना चाहते थे। हमें सोचना होगा। अपने विवेक का इस्तेमाल करना होगा, तभी हम अपने गौरवमयी इतिहास से प्रेरणा ले सकेंगे। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष बीबी भारद्वाज, हरिश झंडई, कुलदीप चंद, सुनील चौधरी, सुरेश नौच, शेर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

लेडी नहीं मां व बेटी कहे

पाश्चात्य संस्कृति को अपना कर हमने नारी को लेडी, आंटी, वोमैन बना दिया। इसी कान्सेप्ट के कारण कन्या भ्रूण हत्या, बलात्कार, यौन शोषण की घटना बढ़ी। उन्होंने कहा शब्दों की ताकत को हम भूल गए। इस कान्सेप्ट को छोड़ कर मां, बेटी कहें। इससे भावनाएं बदल जाती है। नजरिया चेंज होता है। यही नजरिया महिलाओं को सम्मान दिला सकता है। इसलिए अपनी संस्कृति को पहचाने।

भोजन नहीं प्रसाद बनाएं

पाश्चात्य संस्कृति ने हमारे अन्न भगवान को मात्र भोजन बना दिया, लेकिन हमें अपनी संस्कृति को जानते हुए भोजन को प्रसाद की तरह ग्रहण करना होगा। प्रसाद को कोई फेंकता नहीं है। प्रसाद लोगों में बांटा जाता है। इससे भूख कम होगी। भाईचारा बढ़ेगा।

जीवन में कुछ बातों को अपनाएं

बेटी के जन्म व जन्म दिन को धूमधाम से मनाएं, नारी को लेडी नहीं मां व बेटी समझें, अनुसूचित जाति की कन्या का जीवन में एक बार कन्यादान करें, किसी एक बच्चे को शिक्षित करें, मन-मंदिर, रसोई घर, श्मशान घाट व जलाशय से छूआछूत को दूर करें, पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ लगाएं, जीवन में एक बार रक्तदान जरूर करें, त्यौहारों पर गरीबों के घर जाकर उनके साथ त्यौहार मनाएं।

कैथल केसरी

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के वार्षिक अधिवेशन में इतिहासकारों ने की शिरकत

कैथल, 27 मार्च (मित्तल): अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना द्वारा महात्मा गांधी ग्रामोद्योग विश्वविद्यालय चित्रकूट (मध्यप्रदेश) में आयोजित 3 दिवसीय वार्षिक अधिवेशन में कैथल के इतिहासकारों प्रो. बी.बी. भारद्वाज, प्रांत अध्यक्ष इतिहास संकलन समिति हरियाणा, डा. हरीश झंडई मार्गदर्शक व कमलेश शर्मा उपाध्यक्ष ने शिरकत की। जगद्‌गुरु श्रीराम भद्राचार्य, डा. सतीश चंद मित्तल राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुलदीप चंद संगठन मंत्री के सान्निध्य में आयोजित इस अधिवेशन में इन साहित्यकारों ने इतिहास का पुनर्लेखन, नारी की समाज में भूमिका : प्राचीनकाल से वर्तमानकाल तक, चित्रकूट के दर्शनीय स्थल एवं उनका ऐतिहासिक महत्व तथा इतिहास का अध्ययन आवश्यक क्यों आदि विषयों पर आयोजित चर्चा में अपने-अपने विचार रखे। इन इतिहासकारों ने अधिवेशन के दौरान अपनी मार्गदर्शक टिप्पणियां देते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

दैनिक ट्रिब्यून, चंडीगढ़, रविवार, 29 मार्च, 2015 | 3

इतिहास से लें प्रेरणा : इंद्रेश

कैथल, 28 मार्च (हप्र)

कैथल में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश। -हप्र

भारतीय इतिहास संकलन समिति हरियाणा ने आरकेएसडी कॉलेज में इतिहास दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर आरएसएस के कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम में जिलेभर से बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट साकेत मंगल ने की जबकि विशिष्ट अतिथि उद्योगपति सुनील चौधरी, अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय सचिव शेर सिंह थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि इंद्रेश ने कहा कि इतिहास का मतलब सीधा भूतकाल से जुड़ना है। भूतकाल से जुड़ाव से वर्तमान की समझ व भविष्य का रास्ता निकलता है। इतिहास अगर अच्छा है तो ऊर्जा देता है, अगर बुरा है तो सीख देता है। आदमी को अपने इतिहास को सच्चाई से जानना चाहिए, ताकि उससे प्रेरणा व सीख सके। विदेशी आक्रमणकारियों ने इतिहास के साथ खिलवाड़ किया। मुस्लिम आक्रमणकारी हमारी संस्कृति को नष्ट नहीं कर पाए, लेकिन अंग्रेजों ने इसे समझा और हमारे इतिहास को ही गलत तरीके से हमारे सामने प्रस्तुत किया। हमारे इतिहास व भूतकाल को हमसे अलग कर दिया। हमारी मानसिकता को गुलाम बना दिया। अंग्रेजों ने हिंदुस्तान, भारतवर्ष, आर्यवर्त को इंडिया कर दिया। सागरमाथा को माउंटएवरेस्ट कर दिया। इस कारण हम अपने पुराने गौरव और अपने आप को जान ही नहीं पाए, जिस कारण हमें अपने पर ही शक हो जाता है, हम क्या हैं।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष बीबी भारद्वाज, हरीश झंडई, कुलदीप चंद, सुनील चौधरी, सुरेश नौच, शेर सिंह सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

भोजन को भोजन नहीं, प्रसाद बनायें

इंद्रेश ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति ने हमारे अन्न भगवान को मात्र भोजन बना दिया, लेकिन हमें अपनी संस्कृति को जानते हुए भोजन को प्रसाद की तरह ग्रहण करना होगा। प्रसाद को कोई फैंकता नहीं है। प्रसाद लोगों में बांटा जाता है। इससे भूख कम होगी। भाईचारा बढ़ेगा।

अम्बाला सहकार, शनिवार 28 मार्च, 2015 | 4

इतिहासकारों ने मध्यप्रदेश में वार्षिक अधिवेशन में की शिरकत

नानी की समाज में भूमिका पर इतिहासकारों ने रखे विचार

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के तहत आयोजित अधिवेशन

भास्कर न्यूज | कैथल

महात्मा गांधी ग्रामोद्योग विश्वविद्यालय चित्रकूट (मध्यप्रदेश) में आयोजित अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजन के तहत आयोजित वार्षिक अधिवेशन में कैथल के इतिहासकारों ने शिरकत की।

तीन दिवसीय अधिवेशन में कैथल के इतिहासकार इतिहास संकलन समिति हरियाणा के अध्यक्ष बीबी भारद्वाज, डॉ. हरीश, कमलेश शर्मा ने इतिहास का पुनर्लेखन व नानी की समाज में भूमिका प्राचीन व वर्तमान काल तक पर अपने विचार पेश किए।

28 मार्च 2015 दैनिक जागरण

संकलन योजना में इतिहासकारों ने लिया भाग

कैथल : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना द्वारा महात्मा गांधी ग्राम उद्योग विश्वविद्यालय चित्रकूट में कैथल के तीन इतिहासकारों ने भाग लिया।

इस तीन दिवसीय वार्षिक अधिवेशन में कैथल के इतिहासकारों प्रो. बी बी भारद्वाज, डॉ. हरीश झंडई, कमलेश शर्मा शामिल थे। उन्होंने बताया कि जगद्‌गुरु श्री राम भद्राचार्य, डॉ. सतीश चंद मित्तल, कुलदीप चंद संगठन मंत्री के सानिध्य में आयोजित इस अधिवेशन में कैथल के इतिहासकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए इतिहास अध्ययन, प्राचीन काल एवं वर्तमान काल विषय की सराहना की गई।